हिंदी दैनिक

ePaper www.yugdharma.com

युगधर्म

१९४७ से

प्रधान संपादक : अरुण जोशी

■ वर्ष : ८० ■ अंक १५० | नागपुर, मंगलवार, ३ नवंबर २०२६ | ■ पृष्ठ ८ ■ मूल्य ₹४



एक्टर तुषार कपूर को धमकी

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मांगे ५ करोड़ रुपये

मुंबई। अभिनेता तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर फोन कर पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई है। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच जांच कर रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि अभिनेता को धमकी देने वाला व्यक्ति गैंग का सदस्य नहीं हो सकता है और उसने वसूली के लिए गैंग के नाम का इस्तेमाल किया हो सकता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक्टर को एक व्यक्ति का फोन आया था, जिसने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य हैरी बॉक्सर बताया था। फोन करने वाले ने कथित तौर पर तुषार कपूर से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी और उन्हें डराने की कोशिश की। हालांकि, मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रारंभिक जांच में कॉल के फर्जी होने का संदेह जताया गया है। जांचकर्ताओं ने धमकी भरे फोन की वॉयस रिकॉर्डिंग का विश्लेषण किया और उसकी तुलना हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो सैंपल से की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक आवाज विश्लेषण में दोनों आवाजों का मिलान नहीं हुआ। इसके बाद जांचकर्ताओं को संदेह हुआ कि फोन करने वाले ने अभिनेता को डराने और उनसे पैसे वसूलने के लिए गैंग के नाम और उसकी दहशत का इस्तेमाल किया। पुलिस अब फोन करने वाले की पहचान करने और धमकी के पीछे की मंशा का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल इस मामले में अभी तक कोई प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज नहीं की गई है।

डंपिंग यार्ड में मजदूर की मौत

नागपुर। आज सुबह भांडेवाडी स्थित कचरा डंपिंग यार्ड में कचरा मशीन के कारण एक मजदूर की मौत हो गई। इस घटना से बाकी कर्मचारी भड़क गए और कचरा कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। इसकी भनक लगते ही वाठोडा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मृत मजदूर की लाश लेकर कमचारी कचरा कंपनी के कार्यालय की ओर निकले। पुलिस ने बीच बचाव कर कंपनी के मैनेजर को बुलाया। इसके बाद मृत मजदूर के परिजनों से बात कराई गई और उचित मुआवजे का आश्वासन मिलने के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

इकारा!



कोहले का हाशिये पर डाला जाना तय

विशेष प्रतिनिधि

नागपुर। अभिजीत वंजारी के हाथों नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव हार चुके सुधाकर कोहले का अब भाजपा में हाशिए पर चले जाना लगभग तय हो गया है। पार्टी में उनका पुनर्वास अब बेहद कठिन हो गया है। किसी चुनाव में अगर उनका पुनः पुनर्वास करने का प्रयास किया गया तो भाजपा में विद्रोह होना तय माना जा रहा है।

कोहले ने भले ही नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव बेहद रोमांचक मुकाबले में हारा हो लेकिन हार तो आखिर हार होती है और कोहले को अब कोई मौका मिलना मुश्किल है। २०१४ के विधानसभा चुनाव में चली मोदी लहर में कोहले ने शानदार जीत हासिल की थी और वे पहली बार विधायक बने थे। अपने पूरे ५ वर्ष के कार्यकाल में कोहले ने दक्षिण नागपुर में कोई खास विकास कार्य नहीं करवाए। कृष्णा खोपड़े जिस प्रकार अपने पूर्व नागपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास निधि खींच लाये थे, वैसा कोई विधायक उस समय नहीं कर सका।



अब भाजपा में पुनर्वास होगा बहुत मुश्किल

२०१९ के विधानसभा चुनाव में सीटिंग विधायक होने से तथा जाति समीकरण भी फिट बैठने से दक्षिण नागपुर से फिर कोहले का चला लेकिन अचानक मोहन मते को टिकट दे दिया गया। कोहले घोर नाराज हो गए। दक्षिण में मते बनाम पांडव के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ और बड़ी मुश्किल से भाजपा के मते जीत हासिल कर पाये। उस समय आरोप लगे थे कि कोहले ने अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ अंदरूनी मुहिम चलाई।

इसके बाद कोहले का पुनर्वासन करने के प्रयास शुरू हो गए। उन्हें ग्रामीण भाजपा का आश्चर्यजनक ढंग से अध्यक्ष बनाया गया। कोहले को काटोल से मैदान में उतारने के प्रयास किए गए लेकिन बात नहीं बनी। कोहले हाथ मसलकर रह गए।

२०२४ के विधानसभा चुनाव में पश्चिम नागपुर विधानसभा क्षेत्र से संदीप जोशी, जयप्रकाश गुप्ता, दयाशंकर तिवारी को दरकिनार कर विकास ठाकरे के खिलाफ सुधाकर कोहले को उतारने से कई लोगों ने दाँतों तले उंगली दबा ली। पार्टी की यह नीति किसी की समझ में नहीं आई। हालांकि कोहले ने भारी ताकत लगाकर चुनाव लड़ा लेकिन इस बार भी ठाकरे ने ही बाजी मारी। उसके बाद कोहले को ताजा विधान परिषद चुनाव में एक और मौका देकर कई भाजपा कार्यकर्ताओं को धक्का दिया गया। अनिल सोले ने बगावत कर दी लेकिन बाद में मान गए। कोहले को कई मौके दिए गए लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। अब अगर कोहले को पुनः कोई बड़ा मौका मिलता है तो भाजपा में बड़ी बगावत हो सकती है। कई अनिल सोले पैदा हो सकते हैं। यही कारण है कि अब कोहले को मजबूरी में ही सही, हाशिए पर डालना ही होगा।

आर्किटेक्ट को भी नहीं छोड़ा प्रमोद ने

डरा-धमकाकर वसूल किए १.५० लाख



विशेष प्रतिनिधि

नागपुर। कुख्यात ब्लैकमेलर प्रमोद भागचंदानी के काले कारनामों की जानकारी पानी समान मिल रही है। बताते हैं कि जरीपटका की आम जनता को धमकाकर, विभिन्न मामलों में फंसाकर मोटी राशि वसूलने के ५०० से अधिक मामलों में प्रमोद लिप्त है ही, एक आर्किटेक्ट को तक उसने नहीं छोड़ा।

लोगों से लगातार मिल रही जानकारी के अनुसार प्रमोद ने कुछ समय पूर्व एक आर्किटेक्ट को अपने जाल में फंस लिया। उसने आरोप लगाया कि उस आर्किटेक्ट ने बिल्डिंग निर्माण के नक्शे पास करवाने में जानबूझकर गलती की है। पास हुए नक्शे की जगह बहलता ही काम करवाया है। उसने आर्किटेक्ट की पुलिस तथा अन्य विभागों में शिकायत करने की धमकी देकर लाखों की मांग की। बताते हैं कि किसी पापा के घर सेटलमेंट बैठक हुई और डेढ़ लाख में मामला फाइनल हो गया। ऐसे कितने ही लोगों को प्रमोद ने अपना शिकार बनाया। लोग बताते हैं कि पापा का जरीपटका में

■ शेष पेज ५ पर

ब्लड कैंसर होने का झांसा

जरीपटकावासी यह भी बताते हैं कि पिछले साल प्रमोद भागचंदानी ने स्वयं को ब्लड कैंसर होने का झांसा कई लोगों को दिया और खुद के पास करोड़ों की संपदा होने के बावजूद लोगों से पैसे निकाले। असल में उसे कुछ भी नहीं हुआ था। इस मामले में प्रमोद ने उन्हीं लोगों को शिकार बनाया जो पहले भी उसकी चालबाजी का शिकार बनकर उसे लाखों रुपए दे चुके थे।

आग से मदर डेअरी खाक

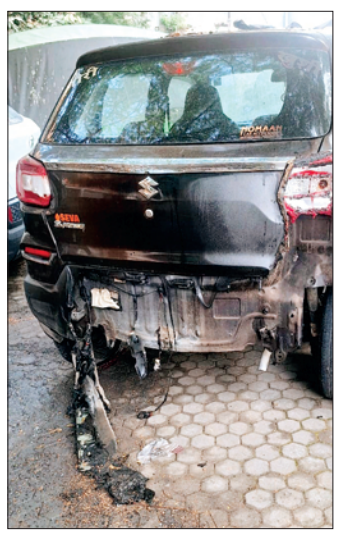
कार भी आई चपेट में

संवाददाता

नागपुर। आज तड़के ४.३० बजे के आसपास रानी दुर्गावती चौक एनआईटी काम्प्लेक्स स्थित चूडामन वासनिक की मदर डेअरी दुकान आग से जलकर खाक हो गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही सुगतनगर तथा कलमना से फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे तथा आग पर काबू पा लिया।

तब तक दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। दुकान की बगल में रखी कार को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया लेकिन दमकल के जवानों ने कार को पूरी तरह जलने से बचा लिया। आग लगने का कारण अज्ञात है।





विप चुनाव में हार के बाद भाजपा में फेरबदल की तैयारी

नागपुर में भी हो सकता है बदलाव

नागपुर। महाराष्ट्र विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में लगे राजनीतिक झटके के बाद भाजपा संगठन में हलचल तेज हो गई है। पुणे में हार के बाद पार्टी की स्थानीय संगठनात्मक व्यवस्था में फेरबदल की चर्चा शुरू हुई है। इसका असर नागपुर भाजपा संगठन पर भी पड़ने की संभावना जताई जा रही है। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी से भाजपा प्रत्याशी सुधाकर कोहले की हार ने पार्टी नेतृत्व को आत्ममंथन के लिए मजबूर कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले नागपुर में भाजपा की पराजय को पार्टी के लिए राजनीतिक और संगठनात्मक झटके



के रूप में देखा जा रहा है। महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों के चुनाव में महाविकास आघाड़ी ने तीन और सत्तारूढ़ महायुति ने दो सीटें जीती हैं। भाजपा को नागपुर और पुणे स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने उम्मीदवार चयन,

■ शेष पेज ५ पर

आंध्र प्रदेश के तट से टकराया चक्रवात मुरासु



नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना गंभीर चक्रवाती तूफान 'मुरासु' आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके को पार कर चुका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार ३ नवंबर की सुबह तड़के ०३:३० से ०५:३० बजे के बीच इस तूफान ने ओंगोल के पास नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट को पार किया। लैंडफॉल के दौरान १०० से ११० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जो झोंकों में १२० किमी प्रति घंटे तक पहुंच गईं। मौसम विभाग ने आंध्र प्रदेश और उत्तर तमिलनाडु के तटों के लिए रेड अलर्ट जारी कर लोगों को सावधान रहने की चेतावनी दी है।

कई ट्रेनें और फ्लाइट रद्द

एहतियात के तौर पर दक्षिण तटीय रेलवे ने ९ ट्रेनें रद्द कर दी हैं। विजयवाड़ा, गुडूर, गुंटूर और तेनाली जैसे रूटों पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। खराब मौसम के कारण ३० से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इनमें आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तिरुपति और विशाखापत्तनम एयरपोर्ट से १९ घरेलू उड़ानें और चेन्नई एयरपोर्ट से ११ उड़ानें रद करनी पड़ी हैं। क्या है

■ शेष पेज ५ पर

नागपुर में नशे के कारोबार पर रोक लगाने चेतना तिड़के को कमान

अमली पदार्थ विरोधी पथक को मिली नई पुलिस अधीक्षक

नागपुर। महाराष्ट्र सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राज्य में आईपीएस और राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की गई हैं। इस फेरबदल में नागपुर को भी नई जिम्मेदारी मिली है। अंबाजोगाई में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत चेतना तिड़के का तबादला नागपुर किया गया है। उन्हें नागपुर के अमली पदार्थ विरोधी पथक में पुलिस अधीक्षक (अभियान) के रूप में नियुक्त किया गया है। चेतना तिड़के की नियुक्ति को नागपुर में नशे के कारोबार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शहर और आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और अवैध नेटवर्क के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। ऐसे में अमली पदार्थ विरोधी पथक को नई पुलिस अधीक्षक मिलने से इस अभियान को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। चेतना तिड़के इससे पहले अंबाजोगाई में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थीं। गृह विभाग के नए आदेश के तहत उन्हें नागपुर में अमली पदार्थ विरोधी पथक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके सामने नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने, तस्करी के नेटवर्क की पहचान करने और कार्रवाई को प्रभावी बनाने की चुनौती रहेगी।



राज्यभर में पुलिस विभाग में फेरबदल

इस प्रशासनिक फेरबदल में ठाणे, पुणे, सातारा, नांदेड, नागपुर, रत्नागिरी, लातूर और नाशिक सहित विभिन्न स्थानों पर अधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं। मिना मखवाना को ठाणे ग्रामीण का अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वैशाली ईश्वर कडुकर को सातारा से पुणे अपराध अन्वेषण विभाग में पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। जयंत बजबले को ठाणे शहर में पुलिस उपायुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा कई अधिकारियों को नई पदस्थापना दी गई है। सरकार ने

■ शेष पेज ५ पर



वहीं पर हो गई थी ४ लड़कों की मौत, विवादों में सोनल पाटिल

महिला पुलिस अफसर ने फ्लाईओवर पर मनाया बर्थडे

मुंबई। महाराष्ट्र के कराड में एक महिला पुलिस अधिकारी विवादों में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक फ्लाईओवर पर अपना जन्मदिन मनाती दिख रही हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही इसी जगह पर एक सड़क हादसे में ४ लोगों की मौत हो गई थी। वीडियो में दिख रहा है कि ३१ अक्टूबर की रात को अधिकारी सोनल पाटिल कोल्हापुर नाका-नंदलापुर फ्लाईओवर पर अपनी नई कार के साथ जन्मदिन मना रही हैं। उनके जन्मदिन का वीडियो वायरल हुआ और सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। विवाद पुलिस विभाग के सीनियर अफसरों तक पहुंचा तो सोनाली ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट ही डिलीट कर दिया। वायरल वीडियो ३१ अक्टूबर की रात का है। इसे कराड के कोल्हापुर नाका-नंदलापुर



फ्लाईओवर पर शूट किया गया। सोनाल पाटिल इस वीडियो में अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करते हुए दिख रही हैं। वीडियो में सोनल पाटिल अपनी नई कार पर केक काटती, बोनट पर पोज देतीं, फूलों का गुलदस्ता लिए तस्वीरें खिंचवातीं और 'पायरो गन' से निकलने वाली सुनहरी चिंगारियों के बीच जश्न मनाती नजर आ रही हैं। यह जश्न एक 'रील' बनाने के लिए शूट किया गया था। वीडियो वायरल हो गया क्योंकि उसी फ्लाईओवर पर कुछ दिन पहले एक हादसा हुआ था, जिसमें ४ लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद लोगों में गुस्सा है और सवाल उठ रहे हैं कि एक सार्वजनिक जगह और पुलिस के पद का इस्तेमाल निजी जश्न के लिए कैसे किया जा सकता है। इस क्लिप की आलोचना हो रही है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि एक निजी जश्न के लिए सार्वजनिक सड़क का इस्तेमाल क्यों किया गया, और एक पुलिसकर्मी ने, जिसकी जिम्मेदारी ही ट्रैफिक नियमों का पालन करवाना है, खुद ही इन नियमों की अनदेखी कैसे कर दी। लगभग १०-१५ दिन पहले, कोल्हापुर से सतारा जा रही एक कार इसी जगह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

कोल्हापुर नाका और नंदलापुर को जोड़ने वाला यह ३.५ किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर कुछ महीने पहले ही बनकर तैयार हुआ है। जब से यहां ट्रैफिक शुरू हुआ है, तब से गाड़ियों की तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं।





अलग है इस सहारा की कहानी, चट्टानों पर दिखी फोटो

पुरातत्ववैज्ञानिकों को खोज के दौरान कई ऐसी आश्चर्यजनक चीजें मिल जाती हैं, जिसपर यकीन करना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही कुछ पूर्वी सूडान में अटबाई रेगिस्तान में स्थित स्थलों की दीवारों पर पुरातत्वविदों को मिला है, जिस पर प्रागैतिहासिक रॉक कला की गई है। चट्टानों पर बनी यह कला उस क्षेत्र की एक ऐसी तस्वीर बनाती है, जो वर्तमान शुष्क क्षेत्रों से काफी ज्यादा अलग है। इस तस्वीर पर यकीन करना काफी ज्यादा मुश्किल है। रिसर्च में खुलासा किया गया है कि यह तस्वीर सिर्फ 4 हजार साल पुरानी हैं, लेकिन उस समय सहारा रेगिस्तान का चित्र काफी अलग था।

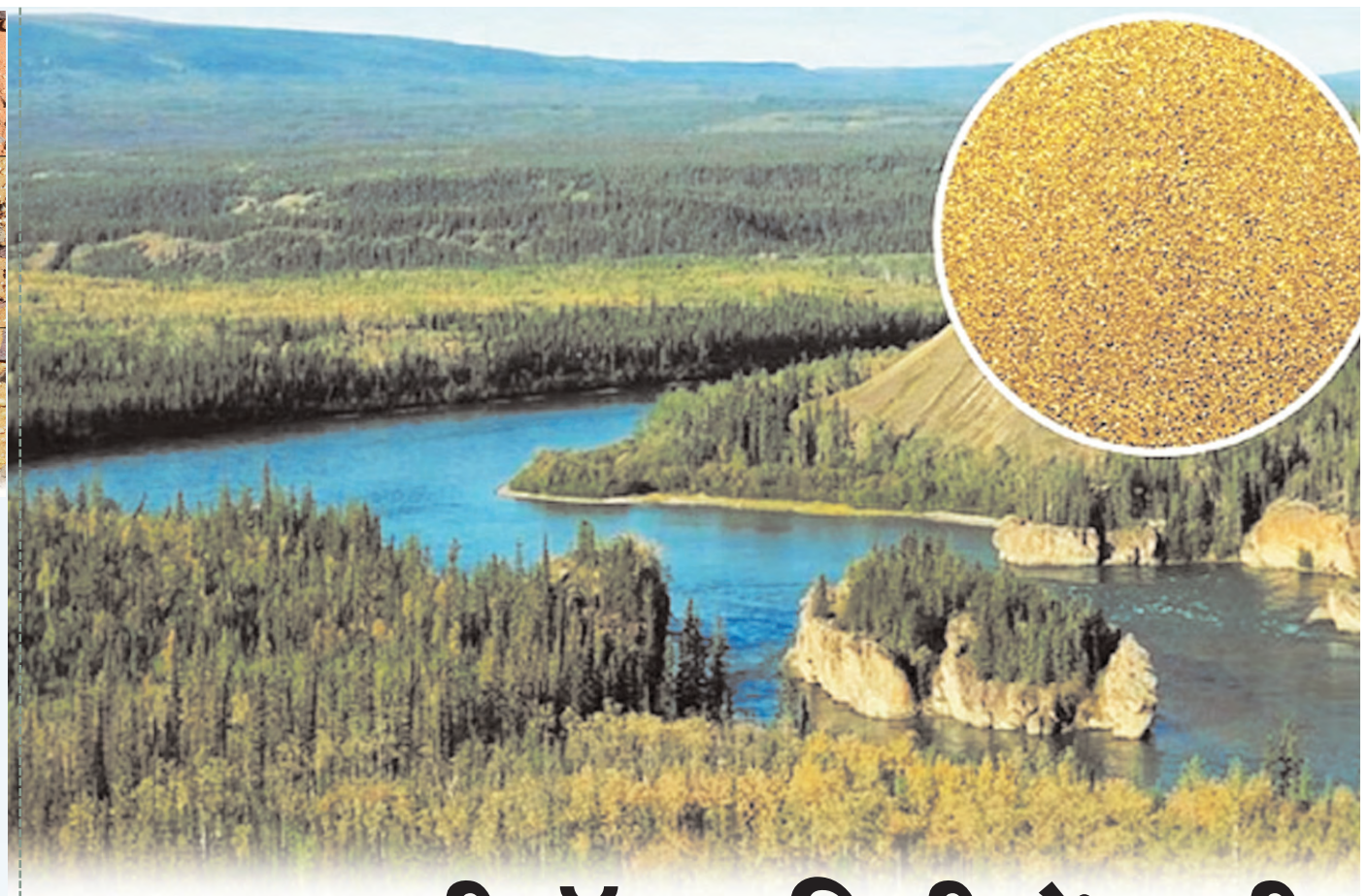
क्या बयां करती है तस्वीर

चट्टानों पर मिली तस्वीरों से बयां होता है कि वर्तमान में जो एरिया शुष्क है, वह काफी हरी-भरी झाड़ियों से घिरी है। इस रेगिस्तान के चारों ओर पानी, चरागाहों और पशु जीवन से भरा हुआ था। आश्चर्य की बात यह है कि यह तस्वीर सिर्फ 4,000 वर्ष पुरानी है, जो यह संकेत देती है कि संभवत: सहारा रेगिस्तान तेजी से क्रांतिकारी बदलावों से गुजरा है।

16 रॉक कला स्थलों का है वर्णन

मैक्वेरी विश्वविद्यालय के पुरातत्वविदों द्वारा एक अध्ययन किया गया है, जिसमें उन्होंने सहारा रेगिस्तान के 16 रॉक कला स्थलों का वर्णन किया है। यह रॉक कला वाडी हल्फा के आसपास के रेगिस्तानों में मिले हैं। यह उत्तरी सूडान में मिस्र की सीमा के पास स्थित एक शहर है, जहां चित्रित अलग-अलग आकृतियां हैं। इन आकृतियों में शोधकर्ताओं ने हाथियों, मनुष्यों, मृगों और जिराफों के चित्रों की खोज की है। पुरातत्वविदों के अनुसार, आकृतियों में मवेशी भी अक्सर दिखाई दिए हैं, जो अटबाई रेगिस्तान की रेगिस्तान में दिखना काफी हैरान करने वाली बात है। बता दें कि वर्तमान में कई वर्षों से यहां बारिश नहीं हुई है, ऐसे में मवेशी का चरना यहां असंभव है। इसके विपरीत रॉक कला से बता चलता है कि 3000 ईसा पूर्व में यहां पशुपालन करना काफी सामान्य था।





कनाडा की डॉसन सिटी में पानी के साथ-साथ बहता है सोना

कनाडा की डॉसन सिटी उन्हीं जगहों में से एक है जो करीब सौ सालों से घुमक्कड़ों को अपनी ओर खींच रही है। शायद इसलिए भी कि यहां अमीर होने का मौका मिल जाता है। अमीर बनने की बात सुनकर यकीनन आपके दिल में भी इस जगह के बारे में जानने की ख्वाहिश जगी होगी।



डॉसन सिटी कनाडा में दूरदराज का एक शहर है। इसकी आबादी बहुत कम है और ये क्लोह्यनडाइक नदी के किनारे बसा है। कहा जाता है कि इस नदी की तलहटी में सोना बिछा पड़ा है। 1896 में जॉर्ज कार्मेक, डॉसन सिटी चार्ली और स्कूकम जिम मेसन ने सबसे पहले इस नदी में सोना होने की बात बताई थी। जैसे ही नदी में सोने की खबर फैली इस शहर में लोगों का, खास तौर से सोना खोजने वालों का रेला लग गया। 1898 में इस शहर की आबादी महज 1500 थी जो कि रातों रात बढ़ कर तीस हजार हो गई। आज यहां की आबादी में खान में काम करने वाले हैं, कुछ कलाकार हैं, और कुछ वो लोग हैं जो खुद को इस शहर का मूल नागरिक बताते हैं। डॉसन सिटी के मेयर वेन पोटोरका का कहना है कि इस शहर की हमेशा से ही एक अलग पहचान रही है। यहां तरह तरह के लोग रहते हैं जो इस इलाके की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इसे कनाडा के दीगर शहरों से हटकर एक अलग पहचान दिलाते हैं। डॉसन सिटी, ओगिल्वी पहाड़ों से घिरा हुआ है जो करीब दो हजार किलोमीटर तक फैला हुआ है। ये पहाड़ इस इलाके को खूंखार जंगली जानवरों से बचाता है। अगर आप क्लॉडिंग हाई-वे से जाना चाहते हैं तो व्हाइटहॉर्स से यहां तक पहुंचने में करीब सात घंटे का समय लगेगा। हाईवे की लंबाई करीब 533 किलोमीटर है। यूकॉन इलाका कनाडा का सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इस इलाके की ज्यादातर आबादी वाइटहॉर्स में बसी है। वाइटहॉर्स अलास्का, ब्रिटिश कोलंबिया और नॉर्थ वेस्ट के इलाकों से सटा हुआ है। डॉसन सिटी तक पहुंचने में आपको बहुत तरह के खूबसूरत कुदरती नजारे देखने को मिल सकते हैं। हर साल बड़ी तादाद में लोग डॉसन सिटी घूमने आते हैं। कुछ यहां कुदरत के खूबसूरत और दिलकश नजारे देखने आते हैं, तो कुछ यहां अमीर बनने की चाह में आते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग मेहनत भी खूब करते हैं।

सोने की खोज करने वाले ये लोग कई दशकों से इसी काम में लगे हैं।

सोने की इस नदी के पास जमी रेत को बालटियों में इकट्ठा करते हैं, फिर उसे कई कई बार छानते हैं। नदी के पानी को छोटे-छोटे बर्तनों में रखकर जमाया जाता है। फिर इस बर्फ से सोने के टुकड़ों को अलग किया जाता है। सोने के ये टुकड़े कई शक्ल में होते हैं। ये मोतीनुमा भी हो सकते हैं, पतले छिलके के रूप में भी हो सकते हैं या फिर गुच्छे के आकार के भी हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सोने के ये टुकड़े हर बार ही मिल जाएं। बहुत मेहनत के बाद कुछ टुकड़े ही हाथ लग पाते हैं। सोना तलाशने के लिए यहां कोई रोक टोक नहीं है। कोई भी खुदाई करके यहां सोना तलाशने का काम कर सकता है। लेकिन फिर भी कुछ लोग यहां जमीन के टुकड़े खरीद लेते हैं, ताकि उस जगह से निकलने वाले सोने पर उनका ही हक रहे और कोई दूसरा वहां आकर खुदाई का काम ना कर सके। वो इस इलाके में मशीने भी लगा सकते हैं। हालांकि पिछली एक सदी से सोने के दामों में अक्सर ही उतार चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

आज की तारीख में चाय के एक चम्मच के बराबर का सोना 1300 डॉलर के हिसाब से बिकता है।

डॉने मिशेल, डॉसन सिटी में साल 1977 में आई थीं। वो सोना निकालने का काम करती हैं। उन्हें हमेशा से ही अलग-अलग जगहों के बारे में जानने की उत्सुकता रही है। वो नई नई जगहों के बारे में जानकारी हासिल करने को एक खास तरह का इल्म मानती हैं। जब मिशेल को उनकी किसी परिचित ने इस जगह के बारे में बताया तो वो खुद को रोक नहीं पाईं और पहुंच गईं सोना तलाशने। डॉने मिशेल आज यहां आने वाले सैलानियों को सोना निकालने का तरीका सिखाती हैं।

डॉने मिशेल यहां खदान मजदूरों के साथ केबिन में रहती हैं। पास के चश्मे के पानी से अपनी प्यास बुझाती हैं और उसी के पानी से खाना बनाती हैं।



हालांकि डॉसन सिटी आने से पहले उन्हें सोना निकालने का कोई तजुर्बा नहीं था। लेकिन, यहां रहते हुए उन्होंने ये हुनर सीख लिया और अब दूसरों को भी सिखा रही हैं। मिशेल कहती हैं उनकी जिंदगी बहुत आराम से गुजर रही है। वो पास के शहर में हर रोज काम के लिए जाती हैं और छुट्टी के दिन मजे से सोना तलाशती हैं या फिर आस पास के पहाड़ों में कुदरती नजारों का लुत्फ उठाती हैं। हालांकि वो अपने दोस्तों और रिश्तोंदारों से मीलों दूर रहती हैं, लेकिन कभी भी अपने घर की कमी का अहसास नहीं होता।



ये है जापान की सबसे महंगी मछली

कीमत 26 लाख रुपए

जापान में एक मछली है जिसे खरीदना तो हर कोई चाहता है, लेकिन ये सबके बस की बात नहीं है। दुनिया के सबसे महंगे सीफूड में शुमार इस मछली को पालने से लेकर बनाने तक का खर्च बहुत ज्यादा है। खास तौर पर जापान में पाई जाने वाली इस ईल मछली का नाम उनागी है। यह ताजे पानी में ही पाई जाती है और इसे पालने का तरीका भी अलग है।

दिन में 3 बार पिलाते हैं 3 तरह के तेल

उनागी मछली का भाव 26 लाख रुपये से भी ज्यादा तक जा चुका है। इस मछली को पालने का खर्च भी बहुत ज्यादा है। उनागी के बच्चों को पकड़कर ताजे पानी में बड़े होने तक पाला जाता है। सालभर इन्हें दिन में तीन बार गेहूं, सोयाबीन और मछलियों का तेल खिलाया-पिलाया जाता है। पालन के दौरान जरा भी असावधानी हो जाए तो सारी मछलियां इंफेक्टेड हो जाती हैं। जब 6 महीने से सालभर तक पलने के बाद मछलियां बड़ी हो जाती हैं, तब इन्हें बाजार में बेचा जाता है। जापान में हर साल करीब 50 टन उनागी मछली की मांग रहती है। सामान्य तौर पर मछलियों को सीधा पकड़कर बाजार में बेचते हैं, लेकिन उनागी के छोटे बच्चों को पकड़कर बढ़ाया जाता है और फिर उन्हें बेचते हैं।



ग्लास बीच फोर्ट ब्रैग

प्रकृति ने कचरे को भी प्राकृतिक सुंदरता में बदल दिया

दुनिया भर के पर्यटकों के बीच समुद्रतट पर छुट्टियां मनाना काफी लोकप्रिय हैं। चाहे वह एकांत समय हो, पानी की लहरों को निहारने की बात हो या केवल प्रकृति के करीब जाने की ललक। लेकिन जब प्रकृति अपनी रचनात्मकता दिखाए, तो क्या कहने। प्रकृति हमारे फेंके गए कचरे को भी प्राकृतिक सुंदरता में बदल देती है। ग्लास बीच फोर्ट ब्रैग में एक ऐसा ही प्रसिद्ध समुद्र तट है और पूरे कैलिफ़ोर्निया में सबसे लोकप्रिय समुद्र तट हो है। फोर्ट ब्रैग का यह समुद्र तट दशकों (1906 से 1967) तक लोगों द्वारा चट्टानों के ऊपर से सभी प्रकार का कचरा समुद्र में फेंकने का नतीजा है। आखिरकार यह कचरा कांच के चिकने टुकड़ों के रूप में किनारे पर बहकर आने लगा। सभी टूटी हुई बोतलें, जार या कांच के टुकड़े, जिन्हें आपने समुद्र तटों पर फेंक दिया था, समय के साथ समुद्र के पानी से चिकने हो गए, जिससे दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत समुद्री कांच के समुद्र तट बन गए।



मैंडरिनः सतरंगी बत्तख, अब लुप्तप्राय



इस बत्तख की गिनती दुनिया के सबसे अद्भुत रंग संयोजन वाले पक्षी के रूप में होती है। इसकी वफादारी और प्यार के प्रतीक के रूप में चीन और कोरिया में इसकी सजावटी मूर्तियां बनाई जाती हैं जो शादीशुदा जोड़े को उपहार के रूप में दी जाती है। इसका वैज्ञानिक नाम एक्स गैलरीकुलेटा है और इसे मैंडरिन के नाम से जाना जाता है।

क्या है खासियत

पीठ के पीछे की ओर दो बड़े कड़क पंख होते हैं जो नाव की पाल की तरह काम करते हैं। ये ऊपर की ओर चिपके रहते हैं। नर बतख में जामुनी कलगी भी होती है। मादा का रंग रूप वुड डक के समान होता है। इसके प्रजाति के वयस्क लगभग 40 से 50 सेंटीमीटर लंबे और इनका वजन 430 से 690 ग्राम तक होता है।

क्या होता है आकार और रंग रूप

इसकी गहरी लाल मोटी चोंच और गोल मटोल काली आंखों के ऊपर सफेद पट्टा इसकी पहचान है। इसके साथ ही गले के नीचे पाए जाने वाले लाल रंग के गुच्छे इसे और खूबसूरत बनाते हैं।

कहां पाई जाती हैं

यह ज्यादातर जापान, चीन और कोरिया में पाई जाती है। इनकी आबादी तेजी से घट रही है।

मंदारिन बत्तखों के बारे में रोचक तथ्य

मंदारिन बत्तख को दुनिया के सबसे खूबसूरत पक्षियों में से एक माना जाता है। इसका कारण इसके मनमोहक पंख हैं, जो कई रंगों से मिलकर बने होते हैं और जिन्हें देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। लेकिन इस प्रजाति में सिर्फ चमकीले पंखों से कहीं अधिक विशेषताएं हैं।

मादा मंदारिन बत्तखें नर मंदारिन बत्तखों की तरह रंगीन नहीं होती

मंदारिन बत्तखें अपने आकर्षक रूप के लिए जानी जाती हैं - इनकी लाल चोंच, बैंगनी छाती, काले, हरे, नीले और तांबे के रंग की कलगी और सुनहरे-नारंगी पंख। फिर भी, यह विशेषता इस प्रजाति की सभी बत्तखों में नहीं पाई जाती। कई अन्य पक्षी प्रजातियों की तरह, केवल नर बत्तखों में ही यह मनमोहक रूप होता है, जबकि मादा मंदारिन बत्तखों का रंग उतना आकर्षक नहीं होता। उनके पंख भूरे या क्रीम रंग के होते हैं और उनकी चोंच भी उसी रंग की होती है।

वे पूर्वी एशिया से आते हैं, लेकिन उनका क्षेत्र व्यापक है

मंदारिन बत्तखें मूल रूप से चीन, जापान, कोरिया और पूर्वी रूस में पाई जाती हैं, लेकिन पर्यावास के विनाश के कारण इन क्षेत्रों में इनकी आबादी कम हो गई है। अच्छी बात यह है कि यह प्रजाति अपने मूल निवास स्थान से बाहर भी फल-फूल सकती है। यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में भी इनकी आबादी पाई जाती है। इसी व्यापक वितरण के कारण, वैश्विक आबादी में कमी के बावजूद, आईयूसीएन ने मंदारिन बत्तख को 'कम चिंताजनक' श्रेणी में रखा है।

मंदारिन बत्तखें प्रेम और वफादारी का प्रतीक हैं

मंदारिन बत्तखें अपने एकपत्नीत्व के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसका अर्थ है कि वे जीवन भर एक ही साथी के साथ रहती हैं। इसी कारण, यह प्राणी चीन, जापान और कोरिया में जोड़ों के लिए प्रेम और वफादारी का प्रतीक बन गया है। हालांकि मंदारिन बत्तखें एक ही साथी के साथ रहती हैं, लेकिन वे पालन-पोषण की ज़िम्मेदारियाँ समान रूप से नहीं निभातीं। नर बत्तख अंडों के 28 से 33 दिनों के ऊष्मायन काल तक साथ रहता है, लेकिन अंडे फूटने के बाद वह चला जाता है। मादा मंदारिन को नौ से बारह बच्चों का पालन-पोषण अकेले ही करना पड़ता है।

नवजात मंदारिन बत्तखें साहसी होती हैं

एक मादा मंदारिन बत्तख जमीन से 30 फीट ऊपर एक पेड़ के खोखले तने में अपने अंडे देती है, लेकिन अंडों से बच्चे निकलने के बाद, उन्हें जल्दी से पानी तक पहुंचने की जरूरत होती है। नवजात बत्तखें अभी उड़ नहीं सकतीं, लेकिन इससे उन्हें ज़मीन तक पहुँचने में कोई रुकावट नहीं आती।



हर्षल भाई का जन्मदिनः विनोद कल्याणी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



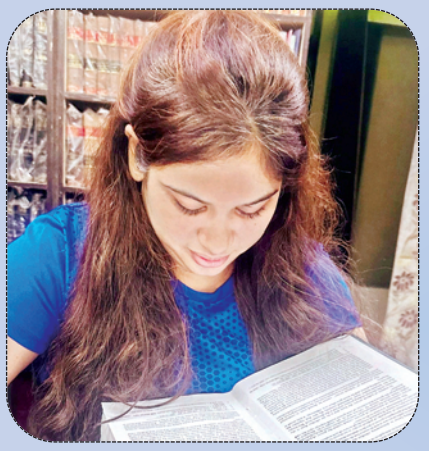
पत्नी का जन्मदिनः अनिल तिवारी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



करीना गुप्ता द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



विकास झट्टे द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



एड. दीक्षा जेठानी
द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



बेटी का जन्मदिनः किशोर ठाकरे
द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



अंकुश खोडे द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



अनूप शाह द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



छगन सोनवणे द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



डॉ. कल्याणी भोंगाडे
द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



सलिल देशमुख द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



सीए संदीप जोतवानी
द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



संजय गायकवाड द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।



विक्की वाधवानी द्वारा
पोस्ट की गई तस्वीर।

यवतमाल जिला बैंक पर महायुति का कब्जा

संजय देशमुख अध्यक्ष निर्वाचित, नितिन भूतड़ा और विजय जाधव बने उपाध्यक्ष

यवतमाल। यवतमाल जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों का चुनाव संपन्न हो गया है। अध्यक्ष पद पर शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद संजय देशमुख निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जबकि उपाध्यक्ष पद पर भाजपा के नितीन भुतडा और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के विजय जाधव का चयन किया गया है। विशेष बैठक में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन नियुक्तियों पर आधिकारिक मुहर लग गई।

जिले की आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस बैंक पर पिछले २६ वर्षों से कांग्रेस का वर्चस्व था। हाल ही में हुए संचालक मंडल के चुनाव में महायुति के 'बलीराजा सहकार पैनल' ने २५ में से १६ सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था।



वहीं, महाविकास आघाड़ी को ९ सीटों पर संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ ही बैंक की सत्ता महायुति के हाथों में आ गई है।

शिवसेना को अध्यक्ष पद, सहयोगी दलों को उपाध्यक्ष : दिग्रस तालुका निर्वाचन क्षेत्र से निर्विरोध चुने गए सांसद संजय देशमुख को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पालकमंत्री संजय राठोड के मार्गदर्शन में शिवसेना ने चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसी के चलते अध्यक्ष पद शिवसेना के खाते में गया। वहीं, महागांव तहसील से निर्वाचित भाजपा के जिला समन्वयक नितीन भुतडा को उपाध्यक्ष बनाया गया । पुसद तहसील से निर्विरोध चुने गए विजय जाधव को भी उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली है। राष्ट्रवादी कांग्रेस ने सभी छह सीटों पर जीत दर्ज की थी।

बैंक की आर्थिक स्थिति सुधारना बड़ी चुनौती

नए संचालक मंडल के सामने बैंक की आर्थिक स्थिति सुधारने की बड़ी चुनौती है। करीब ५५० करोड़ रुपये के घाटे की भरपाई, बढ़ते एनपीए पर नियंत्रण और किसानों को सुचारु रूप से फसल ऋण उपलब्ध कराना नए नेतृत्व की प्राथमिकताएं होंगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों से जिले के किसानों और बैंक के खाताधारकों को काफी उम्मीदें हैं।

दिवाली पर निजी ट्रैवल्स की मनमानी

संवाददाता

यवतमाल। दिवाली के त्योहार के मद्देनजर पुणे-यवतमाल और मुंबई-यवतमाल सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर चलने वाली निजी यात्री बसों द्वारा किराए में भारी वृद्धि किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। त्योहार के दौरान अपने घर लौटने वाले विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और आम नागरिकों को मजबूरी में अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। इससे यात्रियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

किराया वृद्धि पर रोक लगाएं : एड. सचिन नाईक

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यवतमाल जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एड. सचिन नाईक ने उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निजी ट्रैवल्स के किराए पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि त्योहार के दौरान निजी बस संचालकों द्वारा मनमाने तरीके से किराया वसूला जा रहा है। इसके कारण आम यात्रियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित ट्रैवल्स के किराया दरों की तत्काल जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही यात्रियों से अवाजवी किराया वसूली रोकने के लिए प्रशासन प्रभावी उपाययोजना लागू करे, ऐसी मांग भी की गई है।

एड. सचिन नाईक ने प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देकर यात्रियों को राहत देने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो यवतमाल जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से युवाओं के साथ आंदोलन छेड़ा जाएगा।

ग्राहक पंचायत के यवतमाल अध्यक्ष बने राजू जैन, प्रो. अनंत पांडे को सचिव पद

नेत्रदान और खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को मिली जिम्मेदारी

संवाददाता

यवतमाल। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की यवतमाल शहर एवं तहसील इकाई के अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता राजू जैन तथा सचिव पद पर खेल क्षेत्र के जानकार प्रो. अनंत पांडे की नियुक्ति की गई है। विदर्भ प्रांत के अध्यक्ष डॉ. नारायण मेहरे की उपस्थिति में आयोजित विशेष बैठक में जिलाध्यक्ष अनंत भिसे ने दोनों नियुक्तियों की घोषणा की।

इस अवसर पर विदर्भ प्रांत के कार्यालय प्रमुख हितेश सेठ, जिला सहसचिव जिनेंद्र बंगाले तथा पूर्व शहर अध्यक्ष राजेश पोहरे उपस्थित थे। ६७ वर्षीय राजू जैन पिछले २५ वर्षों से यवतमाल जिले में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने और इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों से अब तक तीन लोगों को जीवनदान मिल चुका है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले जैन मध्य रेलवे की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में १० वर्षों तक कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने जेसीज





क्लब के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाली है। वहीं, प्रो. अनंत पांडे बास्केटबॉल के उत्कृष्ट खिलाड़ी और प्रशिक्षक हैं। उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। बैठक में नवनियुक्त अध्यक्ष राजू जैन और सचिव प्रो. अनंत पांडे ने कहा कि ग्राहक पंचायत के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान तथा उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में यवतमाल इकाई की कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही नए पदाधिकारियों की घोषणा विशेष सदस्य बैठक में की जाएगी।

खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, लाखों का माल जब्त

संवाददाता

यवतमाल। त्योहारों के दौरान बाजार में मिलावटी और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जांच अभियान तेज कर दिया है। विभाग की गोपनीय शाखा से मिली जानकारी के आधार पर दल ने टांगा चौक, मारवाड़ी चौक, धामणगांव मार्ग और लोहारा औद्योगिक क्षेत्र में छापेमारी कर करीब १५ से १७ लाख रुपये का माल जब्त किया।

खाद्य विभाग के गोपनीय वार्ता अधिकारी संदीप सुर्वंशी के अनुसार, टांगा चौक स्थित किशोर नरसीदास शाह की सुरेश ट्रेडिंग दुकान से ४ लाख ३२ हजार रुपये का गुटखा जब्त किया गया। इसकी गुणवत्ता पर संदेह होने से खाद्य सुरक्षा अधिकारी विशाल वाघ ने नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे।

लोहारा औद्योगिक क्षेत्र स्थित शारदा ऑयल एंड फूड में जांच के दौरान तेल भरने के लिए पुराने डिब्बों का दोबारा इस्तेमाल तथा भंडारण टंकियों में खाद्य श्रेणी के रसायनों का अभाव पाया गया। इस पर ६ लाख ५० हजार रुपये का सोयाबीन तेल जब्त कर प्रतिष्ठान मालिक भरत लालतवानी को नोटिस जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित उपल ने तेल के नमूने जांच के लिए भेजे हैं।

मसालों के नमूने भी लिए

मारवाड़ी चौक स्थित गोपाल मिर्ची भंडार से मिर्च, हल्दी, धनिया और जीरा पाउडर के नमूने लेकर ४ लाख ४७ हजार रुपये का माल जब्त किया गया। वहीं, धामणगांव मार्ग स्थित श्रीजी बंकड़ी से हल्दी और मिर्च पाउडर का ७० हजार रुपये का भंडार जब्त किया गया। सभी नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वणी नॉर्थ में कोयला उत्पादन का बदलता रहा ग्राफ

१९ लाख टन से बढ़कर ५५ लाख टन तक पहुंचा उत्पादन

संवाददाता

वणी। वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) के वणी नॉर्थ क्षेत्र में पिछले तीन दशकों के दौरान कोयला उत्पादन में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। वर्ष १९९६-९७ में १९.३३ लाख टन रहा उत्पादन वर्ष २०२५-२६ में बढ़कर ५५.१७ लाख टन तक पहुंच गया। हालांकि, उत्पादन में वृद्धि के साथ ही खदानों की मौजूदा स्थिति, परियोजनाओं में आ रही बाधाएं और निर्धारित लक्ष्य हासिल करने की चुनौती भी बनी हुई है। आगामी तीन वर्षों में नई खदानों और विस्तारित परियोजनाओं के माध्यम से सालाना ९० लाख टन उत्पादन का नियोजन किया गया है।

१५ मई १९९६ को वेकोलि के वणी और माजरी विभागों का पुनर्गठन कर वणी विभाग की पिंपलगांव-उकनी तथा माजरी विभाग की कोलारपिपरी-राजूर खदानों को एक साथ शामिल किया गया। इसी के साथ वणी नॉर्थ क्षेत्र का गठन हुआ। शुरुआत में चार खदानों वाला यह क्षेत्र आगे चलकर पांच ओपनकास्ट और दो भूमिगत, इस प्रकार कुल सात खदानों तक विस्तारित हुआ। हालांकि, वर्तमान में उकनी, कोलारपिपरी, जुनाड, घोंसा और भांदेवाड़ा-राजूर की पांच खदानें ही संचालित हैं। पिंपलगांव और कुंभारखणी खदानें बंद हैं।

उत्पादन के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष १९९६-९७ में १९.३३ लाख टन रहा उत्पादन वर्ष २०१०-११ में बढ़कर ५४.६३ लाख टन तक पहुंच गया था। इसके बाद उत्पादन में उतार-चढ़ाव जारी रहा। वर्ष २०२५-२६ में क्षेत्र ने ५५ लाख १७ हजार ७३० मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन किया। चालू वित्त वर्ष २०२६-२७ के लिए ५५ लाख टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन पहले सात महीनों में केवल १७.५० लाख टन उत्पादन हुआ है। शेष पांच महीनों में करीब ३७ लाख टन उत्पादन करना बड़ी चुनौती है।

> ''उपलब्ध मशीनरी और संसाधनों का शत-प्रतिशत उपयोग कर क्षेत्र को प्रगति की दिशा में आगे ले जाने का हमारा प्रयास रहेगा। वर्तमान चुनौतियों से निपटकर वणी नॉर्थ क्षेत्र आने वाले समय में कोयला उत्पादन का नया लक्ष्य हासिल करेगा, ऐसा मुझे पूरा विश्वास है।''
> – संजय एम. मिश्रा,
> महाप्रबंधक, वणी नॉर्थ एरिया

क्षेत्र की सबसे बड़ी उकनी खदान करीब ढाई महीने बंद रहने से उत्पादन प्रभावित हुआ। वहीं, कोलारपिपरी खदान में निविदा प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं के कारण भी उत्पादन की गति प्रभावित हुई। अब उकनी खदान पूरी क्षमता से शुरू होने के बाद उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष का लक्ष्य हासिल करने के लिए शेष अवधि में उत्पादन की रफ्तार बढ़ाना आवश्यक होगा।

आगामी वर्षों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं पर काम प्रस्तावित है। उकनी और बंद पड़ी पिंपलगांव खदान को मिलाकर नई ओपनकास्ट परियोजना विकसित की जाएगी। इसके शुरू होने के बाद उकनी की उत्पादन क्षमता ३५ लाख टन से बढ़कर ५० लाख टन तक पहुंचने की संभावना है। पर्यावरणीय मंजूरी मिलने के बाद कोलारपिपरी का उत्पादन १५ लाख से बढ़ाकर २५ लाख टन करने की योजना है। इसके अलावा घुग्गुस क्षेत्र से १५ लाख टन उत्पादन का नियोजन किया गया है।

ब्लास्टिंग के बिना होगा कोयला उत्खनन

बोर्डा में क्षेत्र की एक बड़ी भूमिगत खदान विकसित करने की योजना है। इस खदान का वार्षिक उत्पादन लक्ष्य १० लाख टन रखा गया है। यहां ब्लास्टिंग के बिना कोयला उत्खनन करने वाली आधुनिक 'कंटीन्यूअस माइनर' तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा उकनी और कोलारपिपरी से नवनिर्मित होने वाले सावर्ला साइडिंग तक बेल्ट के माध्यम से कोयला परिवहन की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है।

नहीं मिला बम!, धमकी निकली अफवाह

ई-मेल से दहशत, कोर्ट खाली .. ३ घंटे तलाशी , नतीजा सिफर







▸▸ रवि आर्य

गोंदिया। महाराष्ट्र की न्याय व्यवस्था को दहलाने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की डिजिटल साजिश सामने आई है।

राज्य के कई जिला और सत्र न्यायालयों को ई-मेल भेजकर बम धमाकों की सीधी चेतावनी दी गई, जिसके तार सीधे कनाडा से जुड़ते नजर आ रहे हैं। इस खौफनाक सूची में महाराष्ट्र का गोंदिया जिला एवं सत्र न्यायालय भी शामिल था, जहां सोमवार २ नवंबर को दोपहर ठीक ३ बजकर ११ मिनट पर कोर्ट परिसर को विस्फोट से उड़ाने की सटीक 'डेडलाइन' दी गई थी।

धमकी मिलते ही न्यायपालिका से लेकर पुलिस महकमे के रोंगटे खड़े हो गए और आनन-फानन में पूरे कोर्ट परिसर को किले में तब्दील कर दिया गया।

खाली कराई गई अदालत, थमा न्याय का पहिया

धमकी की जानकारी मिलते ही जिला पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ एक्शन मोड में आ गया।

बिना किसी देरी के ऐतिहातन कोर्ट रूम्स से लेकर गलियारों तक अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों, कोर्ट स्टाफ और वहां मौजूद आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

चला सघन सर्च ऑपरेशन, अदालती कार्यवाही रुकी

नियमित अदालत की कार्रवाई को फौरन रोक दिया गया, जिससे दोपहर ३ बजे के बाद का कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया और कोर्ट परिसर में सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाल लिया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस), डॉग स्क्वॉड, आरसीबी के दो विशेष दल और नक्सल विरोधी मोर्चे पर तैनात रहने वाले अत्याधुनिक सी-६० कमांडो दस्ते को मैदान में उतार दिया गया।

स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ जवानों ने चप्पे-चप्पे की मेटल डिटेक्टर्स और खोजी कुत्तों के जरिए बारीकी से तलाशी ली।

३ घंटों तक चले इस महा-तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली, परिसर से कोई भी विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

कनाडा का आईपी एड्रेस, साइबर सेल की रडार पर

शुरुआती जांच के अनुसार, यह धमकी भरा ई-मेल कथित तौर पर कनाडा के सर्वर से भेजा गया था जिसका मकसद दहशत फैलाना और प्रशासनिक तंत्र को उलझाना था।

गोंदिया पुलिस की तकनीकी और साइबर शाखा ई-मेल के आईपी एड्रेस, वीपीएन रूट्स और भेजने वाले व्यक्ति की शिनाख्त के लिए गहन डिजिटल फॉरेंसिक जांच में जुट गई है।

नागरिकों से अपील: घबराएं नहीं, सतर्क रहें

गोंदिया उप विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दिनेशचंद्र शुक्ला ने स्थिति साफ करते हुए कहा, अदालत परिसर की सघन जांच पूरी हो चुकी है और परिसर पूरी तरह सुरक्षित है। आम नागरिकों को किसी भी तरह से डरने या अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

यदि कहीं भी कोई संदिग्ध लावारिस वस्तु या गतिविधि नजर आए, तो घबराने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचित करें।

पुलिस वाहन की टक्कर से महिला की मौत, मासूम गंभीर

गोंदिया- कोहमारा राज्य मार्ग पर घटा भीषण हादसा

अपराध संवाददाता

गोंदिया। गोंदिया-कोहमारा राज्य मार्ग पर मुंडीपार फाटा के पास सोमवार २ नवं. के सुबह हुए भीषण हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और मासूम नातिन गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोरेगांव तहसील के ग्राम जांभुलपानी निवासी मनोहर बुदा राऊत (५५) यह अपनी पत्नी गीता मनोहर राऊत (५२) और नातिन ध्रुर्व सोमेश्वर राऊत (२ वर्ष) के साथ बाइक क्र. एमएच ३५- वी. ८२४९ पर गोरेगांव की ओर जा रहे थी।

इसी दौरान मुंडीपार- गराडा फाटे के पास पीछे से आ रहे गडचिरोली पुलिस दल के वाहन क्र. एमएच ३१/डी.झेड ०२४१ ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण कि मोटरसाइकिल पर सवार पति- पत्नी व नातीन सड़क पर गिर पड़े।



हादसे में गीता राउत को गंभीर चोटें आईं और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चालक मनोहर राउत और उनके मासूम नातीन ध्रुव को गंभीर चोटें आईं। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर तनाव की स्थिति निर्माण हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बच्चे को उपचार के लिए शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती कराया गया।

४७ पानठेलों पर स्वास्थ्य विभाग की 'सर्जिकल स्ट्राइक', १० हजार वसूला जुर्माना

अब.. तंबाकू बेचने वालों की खैर नहीं!

नगर संवाददाता

गोंदिया। युवाओं को तंबाकू की लत से दूर रखने और सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन पर अंकुश लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत २ नवंबर को चलाए गए 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान ४.०' के अंतर्गत रावणवाड़ी, काटी, दासगांव, सतौना और चंगेरा क्षेत्र में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों तथा पानठेलों पर छापेमारी की गई।

इस दौरान तंबाकू और गुटखा रखने तथा सेवन करने वालों के खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा), २००३ के तहत दंडात्मक कार्रवाई करते हुए कुल १०,२२० रु का जुर्माना वसूला गया।

४७ पानठेलों की जांच

जिला सामान्य अस्पताल, गोंदिया के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गठित पथक ने संबंधित क्षेत्रों में ४७ पानठेलों की जांच की। इस दौरान तंबाकू एवं तंबाकूजन्य पदार्थों का सेवन करने और उन्हें अपने पास रखने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषिद्ध होने की जानकारी देने वाले पोस्टर वितरित किए गए। लोगों को तंबाकू और तंबाकूजन्य पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में भी जागरूक किया गया।



बता दें कि, जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष पथकों का गठन किया गया है।

जिलाधिकारी मंदार पत्की ने जिले के सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर जांच करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों के तहत विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण कर तंबाकू नियंत्रण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

शासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू एवं तंबाकूजन्य पदार्थों के सेवन पर रोक संबंधी नियमों की जानकारी नागरिकों को दी जा रही है।

यह कार्रवाई जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम पटले, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तृप्ति कटरे तथा पुलिस निरीक्षक रामदास शेवतेसा के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें जिला सलाहकार डॉ. ज्योति राठोड, मनोवैज्ञानिक सुरेखा आजाद मेश्राम, सामाजिक कार्यकर्ता संध्या शंभरकर, दंत तकनीशियन यश जयस्वाल, दंत सहायक विवेकानंद कोरे तथा पुलिस विभाग के पुलिसकर्मी वैभव हजारे और भोजराज रहांगडाले ने हिस्सा लिया।

५४१ सप्ताह से सेवा की मिसाल

श्रमदान से निखरा मोक्षधाम

नगर संवाददाता

गोंदिया। निरंतर सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता की मिसाल पेश करते हुए विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति की ओर से रविवार को मोक्षधाम परिसर में ५४१वां साप्ताहिक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

सुबह ७ बजे शुरू हुए इस अभियान में स्वयंसेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर परिसर की सफाई की तथा पेड़-पौधों की देखरेख और छंटाई की।

अभियान के दौरान मोक्षधाम परिसर के साथ गार्डन की सफाई की गई। पेड़-पौधों की कटिंग-छंटाई कर उनकी देखरेख की गई। कार्य पश्चात मोक्षधाम परिसर स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक नजर आया।

अंत्येष्टि के लिए आने वाले परिजनों और नागरिकों द्वारा परिसर की बेहतर व्यवस्था तथा समिति के सदस्यों की निःस्वार्थ सेवा की सराहना की जा रही है।



कार्यक्रम की शुरुआत तीन बार कार और १३ बार जय श्रीराम के जयघोष के साथ हुई। इसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान इस सप्ताह दिवंगत हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का समापन जय श्रीराम, जय हनुमान, जय श्री महाकाल और 'नमः पार्वती पतये, हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ हुआ। अंत में उपस्थित सदस्यों को अल्पाहार वितरित किया गया। समिति की ओर से अभियान में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

महिला का मोबाइल हैक कर डाटा चोरी

अपराध संवाददाता

गोंदिया। एक महिला को फोन कर धमकी देने, फोटो-वीडियो चोरी करने और मोबाइल हैक कर बदनाम करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस प्रकरण में महिला की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फिर्यादी विद्या दयानी (३५, निवासी एमएसईबी कार्यालय के पास, रामनगर) के मोबाइल पर २६ अक्टूबर २६ को दोपहर करीब १:३० बजे एक अज्ञात नंबर से अज्ञात आरोपी ने कॉल कर रोशनी और सुनील के खिलाफ कोर्ट केस वापस लेने का दबाव बनाया तथा ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं आरोपी ने महिला के मोबाइल से फोटो और वीडियो निकालकर डेटा चोरी किया तथा मोबाइल हैक कर उन्हें बदनाम किया।

इस संदर्भ में ३१ अक्टू. को महिला की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अ.क्र.५९०/२६ की धारा ३५१(३), ३५१(४) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम २००० की धारा ६६ (सी) और ६६(ई) के तहत अपराध दर्ज किया है।

गौमांस का परिवहन करते दुपहिया सवार पकड़ाया

गोंदिया। गौमांस का अवैध परिवहन करते पुलिस ने एक बाइक सवार को धरदबोचा है तथा उसके पास से ४० किलो मांस और परिवहन में इस्तेमाल दुपहिया जब्त कर ली गई है।

प्राप्त जानकारीनुसार गोपनीय जानकारी मिलने पर रावणवाड़ी पुलिस ने १ नवंबर को बालाघाट-गोंदिया हाईवे पर अर्जुनी फाटा, बंदरटोली-सावरी के पास मोर्चा संभाला इस दौरान सुबह ११ बजे के लगभग एक दुपहिया सवार को रोका गया। जांच के दौरानसफेद रंग की होंडा एक्टिवा पर रखी बोरियों में गौमांस पाया गया। उक्त दुपहिया सवार युवक नवसाद खलील शेख (३५ निवासी अंभोरा त. गोंदिया) यह मध्यप्रदेश के रजेगांव से मांस को महाराष्ट्र में बिक्री के लिए ला रहा था। पुलिस ने ४० किलो मांस व एक्टिवा गाड़ी सहित ७६ हजार का माल जब्त कर आरोपी के खिलाफ अ.क्र. ५७०/२६ की धारा ३२५, सहकलम ५ (क), ५ (ड), ९ (अ), महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम तथा सहकलम ११ (१) प्राणी निर्दयता वाहतुक प्रतिबंध अधिनियम का मामला दर्ज किया है।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

अलमारी का लॉकर तोड़कर ४.३२ लाख का माल पार

अपराध संवाददाता

गोंदिया। आमगांव थाना क्षेत्र के संत गाडगेबाबा नगर बनगांव में अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और सोने-चांदी के आभूषणों सहित ४ लाख ३२ हजार के माल पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारीनुसार उक्त चोरी की वारदात २९ अक्टूबर की रात ८ बजे से १ नवंबर की सुबह ९:३० बजे के के दरमियान की है।

अज्ञात चोर, संत गाड़गेबाबा नगर निवासी फिर्यादी रत्नेश वीरेंद्रप्रसाद रावत (४९) के घर के पिछले दरवाजे की कुंडी तोड़कर भीतर घुसे और बेडरूम में रखी अलमारी का लॉकर तोड़ते हुए ६० हजार रुपये नगद रकम, ५ व १० के सिक्के (लगभग ८ हजार), १० नग भगवान विष्णु की सोने की मुर्ति (५० हजार रुपये), सोने का ४५ ग्राम वजनी रानी हार (१ लाख ८० हजार), एक छोटा हार (कीमत ५० हजार), चांदी की पायल १०० ग्राम (कीमत १० हजार), एक छोटी पायल (२ हजार रुपये), कान के झुमके (१६ हजार रुपये), ३ सोने की अंगुठियां (५६ हजार रुपये) इस तरह कुल ४ लाख ३२ हजार का माल अज्ञात चोर उड़ा ले गए।

बहरहाल फिर्यादी की रिपोर्ट पर आमगांव पुलिस ने अपराध क्रमांक ६९५/२०२६ की धारा ३०५, ३३१ (२), (३) के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले के आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक गुरनुले कर रहे है।

बप्पा की भक्ति के साथ पर्यावरण की शक्ति, न्यू भवानी समिति ने मारी बाजी

पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धा के विजेता पुरूस्कृत

नगर संवाददाता

गोंदिया। धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देने वाले गणेशोत्सव मंडलों को नगर परिषद गोंदिया की ओर से सम्मानित किया गया।

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२६ एवं माझी वसुंधरा अभियान ७.० के अंतर्गत आयोजित 'पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धा २०२६' के विजेताओं को नगर परिषद में आयोजित कार्यक्रम में नगराध्यक्ष सचिन शेंडे के हाथों पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

स्पर्धा में घरेलू एवं सार्वजनिक गणेशोत्सव श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

सार्वजनिक गणेशोत्सव स्पर्धा में न्यू भवानी गणेशोत्सव समिति, माताटोली ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ३१ हजार रुपये का पुरस्कार जीता, जबकि श्री युवा गणेश उत्सव मंडल, रिंग रोड कुड़वा नाका को द्वितीय स्थान के लिए २१ हजार रुपये से सम्मानित किया गया। वहीं तृतीय युवा गणेशोत्सव मंडल गौतमनगर को १० हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।





उसी प्रकार घरेलू गणेशोत्सव स्पर्धा में श्रीमती प्राची प्रमोद गुडधे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर १० हजार रु का पुरस्कार जीता। द्वितीय सुमित भास्करराव जांगड़े को ५ हजार रुपये तथा श्रीकांत मस्के को तृतीय स्थान के लिए ३ हजार का पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस स्पर्धा का आयोजन नागरिकों और गणेशोत्सव मंडलों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा पर्यावरणपूरक तरीके से गणेशोत्सव मनाने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था।

श्री युवा गणेश मंडल द्वितीय स्थान पर

श्री युवा गणेश उत्सव मंडल (रिंग रोड) ने द्वितीय स्थान हासिल करने पर इस सम्मान को अपने पदाधिकारियों, सदस्यों और कार्यकर्ताओं की मेहनत, एकजुटता तथा समर्पण का परिणाम बताया।

मंडल की ओर से नगर परिषद अध्यक्ष एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में भी सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए नागरिकों की सहभागिता जरूरी : सचिन शेंडे

इस अवसर पर नगराध्यक्ष सचिन शेंडे ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के लिए नागरिकों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गणेशोत्सव जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्वों को पर्यावरणपूरक तरीके से मनाने की पहल सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से समाज में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम में नगरसेवक लोकेश कल्लू यादव, सुनील भालेराव, राकेश ठाकुर, राज शुक्ला, सुनील भरने, चंद्रकुमार चुटे, अमर रंगारी, विजय रगड़े, क्रांति जायसवाल एवं रीता बागडे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

संपादकीय

अलोकतांत्रिक आचरण कब तक

चुनाव की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने मुहिम छेड़ रखी है। इसमें कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी जैसे समूह भी सक्रिय हैं। इस अभियान का एक खतरनाक सच तब सामने आया, जब विपक्ष के समर्थकों में से एक प्रशांत भूषण ने सार्वजनिक रूप से कहा कि 'हां, हम देश में रिजीम चेंज चाहते हैं।' विवाद बढ़ने पर विपक्षी दलों ने लीपापोती का काम किया, लेकिन इससे बात बनती हुई नहीं दिखी। रिजीम चेंज कोई सामान्य संकल्पना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है तख्तापलट यानी एक निर्वाचित सरकार या स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को हटाकर एक नई और भिन्न व्यवस्था का प्रवर्तन करना। यह कवायद अक्सर बलपूर्वक, दबाव या बाहरी हस्तक्षेप से होती है, न कि सामान्य चुनावी प्रक्रिया से। इस शब्दावली का इस्तेमाल विदेशी सैन्य कार्रवाई, गुप्त अभियान, प्रतिबंधित या विपक्षी समूहों को समर्थन देकर झटके से सरकार बदलने के संदर्भ में होता है, न कि लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया के लिए। रिजीम चेंज का परिणाम होता है-अराजकता, शक्ति शून्यता, गृहयुद्ध या लंबे समय की अस्थिरता। जब अमेरिका महाशक्ति के रूप में उभरा तो रिजीम चेंज की संकल्पना उसकी विदेश नीति का एक अहम हिस्सा बन गई। अमेरिका का इतिहास अमेरिकी हितों के प्रतिकूल काम करने वाली सरकारों या स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय नीति रखने वाले देशों में तख्तापलट कराने के उदाहरणों से भरा हुआ है। आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस नीति को एक खतरनाक हथियार के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। जो देश विकास की राह पर अग्रसर है, जिनकी सरकारें तथाकथित स्वघोषित वैश्विक ताकतों की जी-हुजूरी न कर स्वतंत्र निर्णय करती हैं, वहां विदेशी ताकतें रिजीम चेंज का सहारा लेती हैं, ताकि ऐसे लोगों को सत्ता में ला सकें, जो भविष्य में उनकी कठपुतली बनें। इसमें एक नैरेटिव और खासकर झूठे नैरेटिव के तहत पर्दे के पीछे से भीड़तंत्र द्वारा लोगों को आक्रोशित करने का प्रयास किया जाता है, जिससे उस देश की सरकार पर दबाव बनाया जा सके। हाल में हुए बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, अल्बानिया आदि देशों में हुए उग्र प्रदर्शनों को सूक्ष्मता से देखें तो इन प्रदर्शनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता। इस समय भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, वैश्विक स्तर पर भारत की बनती ग्लोबल लीडर की छवि तथा भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव स्वाभाविक रूप से कुछ शक्तियों को खटक रहा है। इस संदर्भ में विगत कुछ महीनों में भारत में हुए विरोध-प्रदर्शनों में विदेशी प्रभाव की आशंका को कैसे नकारा जा सकता है। अमेरिकी अरबपति जार्ज सोरोस और उनसे संबंधित एजेंसियों का नाम विशेष रूप से पूर्व सोवियत देशों के 'कलर रेवोल्यूशन' कराने के पीछे कुख्यात रहा है, जिनमें बलपूर्वक रिजीम चेंज कर दिया गया या फिर सरकारों की संरचना ही बदल देने का प्रयास किया गया। सोरोस का मोदी विरोध किसी से छिपा नहीं रहा है। उनकी संस्थाओं ने अनुच्छेद ३७० हटाने का विरोध करने से लेकर नागरिकता संशोधन कानून यानी सीसीए के विरोध में हुए प्रदर्शनों को समर्थन दिया था। सोरोस ने २०२३ में सार्वजनिक रूप से कहा था कि भारत में 'लोकतांत्रिक पुनरुत्थान' की आवश्यकता है और आने वाले समय में इसका रास्ता खुल सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि कुछ विपक्षी नेता जिस रिजीम चेंज की रट लगा रहे हैं, उसके सूत्रधार सोरोस या उनके जैसे लोग ही हैं क्या? अमेरिकी मीडिया संस्थान फाक्स न्यूज की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार अतिवादी वामपंथी एवं समाजवादी समूह और कुछ इस्लामी संगठनों का एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है, जिसे 'रेड-ग्रीन एलायंस' कहा जाता है। १०१ संगठनों के इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क ने १३ देशों में विरोध-प्रदर्शनों को बढ़ावा दिया है। रिपोर्ट बताती है कि वामपंथी, समाजवादी और इस्लामी संगठनों से जुड़े ये समूह विभिन्न देशों में प्रदर्शनों का आयोजन करने, उन्हें बढ़ावा देने और साझा संदेश फैलाने में भूमिका निभाते हैं। इसमें 'प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल' जैसे संगठन का भी उल्लेख है, जिसके तार भारत, फ्रांस आदि में विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े हुए हैं। नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने २०२५ में प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात भी की थी। विपक्ष की मुहिम से जुड़े योगेंद्र यादव भी यह कह चुके हैं कि अब 'फैसला संसद में नहीं, सड़कों पर होगा।'

सांसद अमर काले की तत्परता के कारण वर्धा जिले में डायलिसिस केंद्र खुले

संवाददाता

वर्धा। ठेकेदार ने बकाया बिलों का भुगतान न होने के कारण वर्धा जिले में डायलिसिस केंद्रों की सेवाएं अचानक बंद कर दी थीं। इससे जिले के सैकड़ों डायलिसिस मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस गंभीर समस्या की जानकारी मिलते ही दिल्ली दौरे पर गए सांसद अमर काले ने तुरंत संपर्क किया और जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को सख्त निर्देश दिए। सांसद काले की इस



साहसिक और त्वरित कार्रवाई के चलते बंद पड़े डायलिसिस केंद्र कुछ ही घंटों में फिर से खुल गए और मरीजों एवं उनके परिजनों को राहत की नई उम्मीद मिली।

मुंबई स्थित एक संगठन को वर्धा जिले में सरकारी डायलिसिस केंद्र चलाने का ठेका मिला हुआ है। ठेकेदार ने प्रशासन द्वारा बिलों का भुगतान न किए जाने का हवाला देते हुए जिले के सभी डायलिसिस केंद्र अचानक बंद कर दिए। देखा गया कि करंजा घड़गे में मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ रहा था।

कारंजा घाड़गे के उमेश लांडगे ने फोन पर सांसद अमर काले का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर दिलाया। सांसद काले ने १ नवंबर २०२६ को, दिल्ली में चल रहे आंदोलन में भाग लेने के बावजूद , अपने निर्वाचन क्षेत्र के एक कार्यकर्ता के फोन कॉल का तुरंत संज्ञान लिया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, उन्होंने बिना किसी देरी के जिला सर्जन और वर्धा जिला प्रशासन से संपर्क किया। उन्होंने सभी केंद्रों को तुरंत शुरू करने के स्पष्ट निर्देश दिए और चेतावनी दी कि मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता



कमला नेहरू कॉलेज ऑफ फार्मेसी का आयोजन

संवाददाता

नागपुर। विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय औषधि निर्माण सप्ताह के अवसर पर अमर सेवा मंडल द्वारा संचालित कमला नेहरू कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बुटीबोरी की ओर से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, नशीले पदार्थों का सेवन तथा चिकित्सक की सलाह के बिना दवाओं का सेवन करने से उत्पन्न होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बुटीबोरी के सार्वजनिक स्थलों पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया।

इस पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों ने दो अलग-अलग नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों एवं युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया। पहले नुक्कड़ नाटक में 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसके बढ़ते प्रभाव' विषय पर प्रकाश डाला गया।

दूसरे नुक्कड़ नाटक में 'नशीले पदार्थों की लत एवं स्व-चिकित्सा के दुष्परिणाम' विषय पर जनजागरूकता फैलाई गई। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से फार्मासिस्ट एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के विशेषज्ञों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जगदीश बाहेती ने इस उपक्रम पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि, विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रहकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझना आवश्यक है। एंटीबायोटिक्स का उचित उपयोग, स्व-चिकित्सा के दुष्परिणाम तथा नशामुक्ति के संबंध में जनजागरूकता फैलाना समय की आवश्यकता है।

भविष्य में आयुर्वेद का महत्व और बढ़ेगा : पुरोहित

पावन परम्परा के अनुभूत चिकिसा विशेषांक का लोकार्पण



संवाददाता

नागपुर। आयुर्वेद का मूल वेदों में मिलता है; प्राचीन वैद्यों ने इसकी रक्षा की और अपने अनुभवों से इसे विकसित किया। आज सारे विश्व में आयुर्वेद की मांग है। भविष्य में आयुर्वेद का महत्व और बढ़ेगा। उक्त विचार पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने दीपपर्व पर प्रकाशित 'पावन परम्परा' पत्रिका के अनुभूत चिकित्सा विशेषांक के लोकार्पण समारोह में व्यक्त किये। कार्यक्रम के अध्यक्ष बैद्यनाथ के प्रबंध संचालक सुरेश शर्मा ने पत्रिका के २७ वर्षों के सफर की सराहना करते हुये विशेषांक को संग्रहणीय दस्तावेज बताया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि राष्ट्रीय स्वदेशी चिकित्सा आयोग के पूर्व अध्यक्ष वैद्य जयन्त देवपुजारी ने बताया कि देश में नित्य हजारों की संख्या में वैद्यगण लाखों मरीजों की सफल आयुर्वेद चिकित्सा करते हैं। आयुर्वेद के द्वारा रोगों से बचाव के सैकड़ों अनुभूत नुस्खें लोग रोज दिनचर्या में आजमाते हैं।

प्रारम्भ में अतिथियों ने माँ सरस्वती एवं गुरूदेव जागेश्वरानंद के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। श्रीमती शशि भार्गव 'प्रज्ञा' ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। अपने प्रास्ताविक में डॉ. गोविन्द प्रसाद उपाध्याय ने पत्रिका के उद्देष्यों एवं अनुभूत चिकित्सा विशेषांक की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री अतुल त्रिवेदी ने और आभार प्रदर्शन डॉ. कल्पेश उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में अनिल त्रिपाठी, एस. पी. सिंह, डॉ. मनोज पाण्डेय, जयराम दुबे, ओमप्रकाश शिव, डॉ. सचिन चंडालिया, डॉ. मृत्युंजय शर्मा, डॉ. विनोद रामटेके, डॉ. अर्चना दाचेवार, डॉ. विनोद चौधरी, डॉ. प्रदीप उपाध्याय, अरूण दसोत्तर, नरेन्द्र परिहार, महेन्द्र भार्गव, डॉ. शिल्पा वराडे, डॉ. रागिनी शर्मा, सन्तोष दुबे, डॉ. नितिन बिश्वास आदि गणमान्य उपस्थित थे।

शिंदे सेना के जिला प्रमुख बने गोजे, तिवारी, समीर

नागपुर। शिंदे सेना अब जिले में पार्टी का विस्तार करने में जुट गई है। पार्टी की ओर से ३ नये जिला प्रमुख नियुक्त किए गए हैं और दिवाली के बाद शहर व जिले की कार्यकारिणी में विस्तार किया जाएगा। सूरज गोजे, नितिन तिवारी व समीर शिंदे को जिला प्रमुख नियुक्त किया गया है। गोजे को उत्तर व मध्य नागपुर की जिम्मेदारी दी गई है। तिवारी को पूर्व व दक्षिण की और शिंदे को दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम नागपुर विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। पहले



गोजे ही जिला प्रमुख थे। शिवसेना यूबीटी से आए तिवारी को भी जिम्मेदारी दी गई है। समीर शिंदे पहले शहर प्रमुख थे। नागपुर लोकसभा क्षेत्र के संपर्क प्रमुख संजय निरूपम पार्टी-संगठन के विस्तार के लिए नियुक्तियों में सीधे दखल ले रहे हैं।

बी.जी.श्रॉफ गर्ल्स हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में मनाया दीपावली मिलन

संवाददाता

नागपुर। बी.जी.श्रॉफ गर्ल्स हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में सोशल वर्कर्स एसोसिएशन और सिंधी सोशल सर्विस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में आए हुए दोनों व्यवस्थापन समिति जनों, नगरसेविका प्रमिला मथरानी, पूर्व मुख्याध्यापिका मंजू कुंगवानी एवं सेवानिवृत स्टाफ का तीनों शालाओं के वर्तमान स्टाफ ने अभिवादन किया। कार्यक्रम में उपस्थित शाला के आधार स्तंभ डॉ. डी.पी. लालवानी, अध्यक्ष मेघराज जेसवानी, प्रधान सचिव दिलीप दानी, उपाध्यक्ष वासु माखीजा, उपाध्यक्ष कुंदन गिदवानी, अशोक रामानी, प्रकाश कल्याणी, पुरुषोत्तम आसुदानी, सच्चानंद हिरानी, हरीश सुगंध, श्याम जयसिंघानी, वरयाम सिंह, नंदलाल माखीजा, ऊषा दानी, हेमलता रामानी, आयुषी दानी, शगुफ्ता यास्मीन काज़ी, प्रेमलता तिवारी, संजूबा स्कूल के सदस्य विकास पाटिल , विशाल पाटिल , आशा कोपुलवार, निर्मला कापसे, निशा माटे, मोहिनी ठोकर, संदीप शिरकर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पूजन तथा लक्ष्मी मंत्र आराधना गीत प्रस्तुतीकरण से हुई। बी।जी।श्रॉफ गर्ल्स हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज ने अंताक्षरी स्पर्धा का आयोजन किया। जिसका कुशल संचालन शाला की मुख्याध्यापिका चित्रा दौलतानी के मार्गदर्शन में किया गया। अंताक्षरी स्पर्धा में सहभागी सभी प्रतियोगिजनों को पुरस्कृत किया गया। बी ।जी।एस। सिंधु गर्ल्स प्राइमरी स्कूल द्वारा एक मिनट गेम का कुशल आयोजन संगीता दलवानी द्वारा किया गया। श्री साईं पारनाथ इंग्लिश स्कूल द्वारा हाऊसी गेम का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन ज्योति आसुदानी के द्वारा किया गया। शाला की स्नेहमयी प्राचार्या चित्रा दौलतानी एवं शाला की पर्यवेक्षिका रिया नानवानी के नेतृत्व में कुशल रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाला की प्राचार्या द्वारा आए हुए सभी अतिथिजनों को स्नेह उपहार तथा दिवाली की मिठाई के साथ शुभेच्छा प्रदान की गई। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन शाला की प्राचार्या चित्रा दौलतानी द्वारा किया गया। कुशल मंच संचालन सृष्टि मथरानी एवं हिना विधानी द्वारा हुआ।

अपने पूर्वजों को किया याद



ईसाई समुदाय का आयोजन

नागपुर। ईसाई समुदाय द्वारा सोमवार, २ नवंबर को ऑल सोल्स डे श्रद्धा के साथ मनाया गया। यह दिन दिवंगत परिजनों और प्रियजनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर समाज के लोगों ने चर्चो और कब्रिस्तानों में पहुंचकर दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना की। कब्रों पर फूल चढ़ाए और मोमबत्तियां जलाकर अपने प्रियजनों को याद किया। विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन भी किया गया। ईसाई मान्यता के अनुसार, यह दिन दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके लिए प्रार्थना करने का अवसर है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद थे।

विहंगम योग संत समाज के रक्तदान शिविर में २९ यूनिट रक्तदान



संवाददाता

नागपुर। सद्गुरु उत्तराधिकारी संत प्रवर पूज्य विज्ञानदेव महाराज के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विहंगम योग संत समाज, नागपुर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी २८ अक्तूबर २०२६ को नागपुर आश्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्तदाताओं ने ७ यूनिट रक्तदान किया एवं १ नवंबर २०२६, रविवार को श्री सिद्धेश्वर सभागृह, मानेवाड़ा रोड,नागपुर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदाताओं ने २२ यूनिट रक्तदान किया। शिविर में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदाताओं द्वारा कुल २९ यूनिट रक्तदान किया गया।

रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक चिकित्सालय नागपुर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर रक्तदाताओं ने मानव सेवा एवं जरूरतमंद मरीजों की सहायता के उद्देश्य से स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विहंगम योग संत समाज के प्रचारक उपदेष्टा डॉ. मुरारी सिंह, पी.एन. सिंह, परेश कुमार बरवलिया, रत्नेश शर्मा, दिवाकर पाण्डेय सहित विहंगम योग संत समाज के अनेक गुरु भाई एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने रक्तदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताते हुए कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

भोयर, पवार महासंघ का २६वाँ वार्षिक महोत्सव हुआ

संवाददाता

काटोल। अखिल भारतीय भोयर, पवार महासंघ, शाखा काटोल की ओर से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, सेवानिवृत्त एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं समुदाय हितैषी समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। फेडरेशन का २६वां वार्षिक महोत्सव रविवार १ नवंबर को स्थानीय राजा भोज बाल संस्कार भवन, काटोल में आयोजित किया गया।



महोत्सव का उद्घाटन काटोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री। चरण सिंह जी ठाकुर द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पवार महासंघ के अध्यक्ष अखिल भारतीय भोयर ने की। नामदेव राऊत थे। आर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुमित वानखेड़े की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत में गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। उपस्थित महानुभावों का स्वागत गीत एवं स्मृति चिन्ह, शॉल एवं श्रीफल से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक चरण सिंह ठाकुर ने कहा कि वे जल्द ही प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस एवं अन्य संबंधित गणमान्य लोगों से मुलाकात कर चर्चा करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मेधावी एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त व्यक्तियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को भी उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कृषि विशेषज्ञ दिनेश ठाकरे, सरिताताई गाखरे, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष, वर्धा; श्रीमती यशदाई चौधरी, नगरसेविका, नागपुर नगर निगम; दारासिंह कटरे, युवा अध्यक्ष, राष्ट्रीय क्षत्रिय पवार महासभा; श्रवण फरकाड़े, अध्यक्ष, युवा भोयर, पवार मंच, नागपुर; श्रीमती पद्माताई खवसे, सामाजिक कार्यकर्ता, कोंढाली; श्रीमती लताताई धारपुरे, पूर्व पंचायत समिति सदस्य, काटोल; मधुकर चोपड़े, महासचिव, अखिल भारतीय भोयर, पवार महासंघ; संदीप सरोदे, समीर उम्प, श्री किशोर गाडवे की भी प्रमुख उपस्थिति रही।

महोत्सव में आयोजित चर्चा सत्र में केंद्रीय ओबीसी आरक्षण, ओबीसी समुदाय को विभिन्न रियायतें, छात्रवृत्ति और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। समुदाय की प्रमुख मांगों में केंद्रीय ओबीसी आरक्षण, समुदाय के लिए एक अलग आर्थिक विकास निगम की स्थापना, समाज भवन के शेष कार्य को पूरा करना और अन्य लंबित मुद्दे शामिल हैं। इन मांगों पर विधायकों का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वसंत खवसे, मनोहर पठाडे, अरुण मुन्ने, ईश्वर घागरे, छितेश्वर ढोले, अर्जुन कड़वे, विजय डोंगरे, धर्मेंद्र बोबडे, तिलकचंद डोबले, मधुकर रामधाम, वासुदेव चोपड़े, दिलीप गाकरे, महिला मंडल और फेडरेशन के सभी कार्यकारी सदस्यों ने विशेष प्रयास किए।

पेज १ का शेष

आर्किटेक्ट को भी नहीं...

अच्छा नाम है और काम भी नेक है लेकिन पापा ने कई मामले सेटल करने में भागचंदानी की मदद की।

सबसे अहम सवाल यह है लोगों से लूटे करोड़ों रुपए प्रमोद ने कहां रखे होंगे? लोगों से मिल रही जानकारी के अनुसार प्रमोद ने करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी मेक़ोसाबाग़, रामनगर आदि इलाकों में किसी अन्य के नाम खरीदी है। इसके अलावा अपने जिगरी यार घन्नू के पास करोड़ों रखे हैं। बताते हैं कि यही घन्नू आज उन्हीं पैसों से वकीलों की व्यवस्था कर रहा है।

विप चुनाव में हार के ...

आंतरिक गुटबाजी, कार्यकर्ताओं की नाराजगी और मतदाताओं तक पहुंच जैसे मुद्दों को फिर चर्चा में ला दिया है।

नागपुर की हार ने बढ़ाई संगठन की चिंता

नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को ३,२७१ मतों से पराजित किया। वंजारी को ६७,२३१ और कोहले को ६३,९६० मत मिले। ४० घंटे से अधिक चली मतगणना के बाद परिणाम घोषित हुआ। इस मुकाबले में निर्दलीय उम्मीदवार नितेश कराले को भी लगभग २४ हजार मत मिले। इससे भाजपा के पारंपरिक मतों के विभाजन को लेकर सवाल उठे। चुनाव के दौरान भाजपा ने संगठन की पूरी ताकत झोंकी थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नागपुर में रहकर चुनावी गतिविधियों पर नजर रखी थी। इसके बावजूद पार्टी उम्मीदवार की हार ने स्थानीय संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर की हार की जिम्मेदारी लेते हुए कमियों की समीक्षा करने की बात कही है।

आंध्र प्रदेश के तट से ...

आज सुबह ०५:३० बजे यह चक्रवाती तूफान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में ओंगोल के पास केंद्रित रहा। यह बापटला से ४० किमी दक्षिण-पश्चिम और मछलीपट्टनम से १२० किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में मौजूद है। मछलीपट्टनम और विशाखापट्टनम के डॉपलर वेदर रडार से इस पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नागपुर में नशे के ..

तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को उनके मौजूदा पदों पर एक वर्ष की मुदतवृद्धि भी दी है। इनमें शिवराज पाटील, अमरसिंग जाधव और प्रशांत कदम शामिल हैं। इस फैसले के तहत तीनों अधिकारी अपनी वर्तमान जिम्मेदारियां जारी रखेंगे।

अभिनेता सयाजी शिंदे का 'सेव सह्याद्री' अभियान

नागपुर। सह्याद्री की चट्टानें, पर्वत श्रृंखलाएं और पर्यावरण आज विकास के नाम पर हो रहे विनाशकारी हस्तक्षेप के कारण गंभीर खतरे में है, इसलिए 'सेव सह्याद्री, सेव एनवायरनमेंट' महज पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं बल्कि प्रकृति के संतुलन को बचाने के लिए एक जन-आंदोलन है। विकास के नाम पर जब सह्याद्री की होली जलाई जा रही हो तब दिवाली मत मनाइए। यह भावुक अपील प्रसिद्ध अभिनेता सयाजी शिंदे ने सोमवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में की। 'सेव सह्याद्री, नो पीएसपी इन सह्याद्री' नामक इस देशव्यापी अभियान की शुरुआत भारत के केंद्र बिंदु नागपुर से की गई। शिंदे ने चिंता जताते हुए कहा कि १९४७ तक देश का ७० प्रतिशत जंगल संरक्षित था जो आज घटकर मात्र १६ से १८ प्रतिशत ही रह गया है। आज 'शेकरू' जैसी अनगिनत दुर्लभ प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी हैं। इस अवसर पर अनसुया छाबरानी, आनंद रॉय और मनीष भावे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

'पीएसपी' का पर्यावरण अनुकूल विकल्प खोजें: शिंदे ने सवाल उठाया कि विदर्भ ने कई दशकों तक कोयला खदानों और थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स के कारण भारी पर्यावरणीय कीमत चुकाई है। क्या अब सह्याद्री को भी इसी विकास मॉडल की कीमत चुकाने पर मजबूर करना सही है। सरकार को पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) का पर्यावरण अनुकूल वैकल्पिक समाधान खोजना चाहिए।

'युगधर्म' मालक, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक अरुण जोशी, देश पब्लिकेशन, ८५, हनुमाननगर, नागपुर-४४०००९ व्दारा मुद्रित तथा ८५, हनुमाननगर, नागपुर-४४०००९ से प्रकाशित। दूरध्वनि : ०७१२-२७४९८०२/०३/०४, २७४१७२४ फैक्स ०७१२-२७०५६३१ , Email :yugdharmanagpur@gmail.com
कार्यकारी संपादक : राजेश्वर मिश्रा पी.आर.बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं, उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरूरी नहीं। (सभी मामलों का निपटारा केवल नागपुर न्यायालय में ही होगा।) RNI.No. 1561/57, Post Reg. NP/City/376/2017-2019

उमरेड कृषि उत्पन्न बाजार समिति में कपास खरीदी का शुभारंभ

पहले ही दिन ३७८ गाडियों की आवक

संवाददाता

उमरेड। कृषि उत्पन्न बाजार समिति उमरेड में सन २०२६ -२७ के मौसम में कपास खरीदी का शुभारंभ सोमवार २ नवम्बर को किया गया। उमरेड कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभापति रुपचंद कडू के हाथों किसानों के कपास खेत माल का विधिवत पूजन कर कपास खरीदी के मौसम का प्रारंभ किया गया।

इस अवसर पर कपास उत्पादक किसान भाईयों का टोपी व दुपट्टा देकर सम्मान किया गया। कपास खरीदी के पहले दिन किसानों का अच्छा प्रतिसाद मिला।

पहले ही दिन तकरीबन ३७८ गाडी कपास की आवक हुई। खास कर उमरेड



कृषि उत्पन्न बाजार समिति के इतिहास में पहले ही दिन इतने बडे पैमाने पर कपास माल की आवक हुई है। यह बाजार समिति के लिए महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक बात रही। इस अवसर पर कपास को प्रति क्विंटल ८,८४० से कमाल ९,१०० रूपये ऐसा भाव मिला।

इस अवसर पर उमरेड कृषि उत्पन्न बाजार समिति के उपसभापति राजकुमार कोहपरे, संचालक एड। विजय खवास, मनोहर धोपटे, शिवदास कुकडकर, दत्तु फटिंग, नितिन बालपांडे, संदीप हुलके, राहुल नागेकर, महेश मरघडे, भोजराज दांदडे, ज्ञानेश्वर भोयर, यशोदा अबलंकर, संगीता ढेंगरे, रंगराव नेवारे, भिका भोयर, छोटू मोटघरे, सुभाष बारापात्रे, बाजार समिति के सचिव प्रकाश महतकर, निरीक्षक अनिल कापसे, हिरामण नागपुरे, बंडू अबलंकर, कृष्णा पन्नासे, मधुकर सातपुते, महेश तवले, उमेश वाघमारे सहित व्यापारी कल्पेश कालबांडे, अजित चौधरी, किशोर पाटिल, गिरीश बिसानी, सुभाष गुप्ता, दिपक राजपुरिया सहित अन्य व्यापारी, सभी अडत्ये व किसान बंधु बडी संख्या में उपस्थित थे।

कपास खरीदी के पहले दिन हुई विक्रमी आवक से किसानों का बाजार समिति पर विश्वास एवं अच्छा प्रतिसाद दर्शाने वाला है। आगामी समय में किसान भाईयों के खेत माल की बिक्री के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा देने के लिए बाजार समिति प्रबंधन कटिबद्ध है ऐसे प्रतिपादन सभापति रुपचंद कडू ने किया।

२९ से होगा खेल महोत्सव का आगाज

युवाओं में राष्ट्रीयता जागृत करने हेतु महाआयोजन : मिश्रा



संवाददाता

नागपुर। देशभक्ति एवं खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए आगामी २९ नवंबर से भव्य खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। अधिवक्ता सुरेंद्र मिश्रा हिंदुस्तानी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन स्वर्गीय लाल लाजपत राय जी की देशभक्ति से प्रेरणा लेकर युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करने हेतु किया जा रहा है। दिनांक २९ नवंबर रविवार को दोपहर १ बजे से शाम ५ बजे तक क्रांतिवीरों लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस, झांसी की रानी, मंगल पांडे, बिरसा मुंडा, स्वामी विवेकानंद, शिवाजी महाराज, चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह की ग्राम भ्रमण झांकी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में ६०-६५ लहराते तिरंगे झंडे, पारंपरिक बैंड बाजे, २ घोड़े, १ ओपन जीप, २ ट्रक शामिल रहेंगे। एक पिकअप जीप शामिल रहेगी, जिस पर पूज्यनीय यायेंद्र मिश्रा जी की ७ तस्वीरें रहेगी।

शोभा यात्रा कपिल यादव के घर से प्रारंभ होकर जोरदार आतिशबाजी की ध्वनि के साथ लगभग २ किमी का सफर तय कर ताजने लेआउट, राव लेआउट, डीबी नगर होते हुए वंदे मातरम खेल मैदान पहुँचेगी। यात्रा मार्ग पर वंदे मातरम खेल मैदान में क्रांतिवीरों की तस्वीरों पर माल्यार्पण कर आरती व प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया जाएगा तथा केक कटिंग पिक की पूजा की जाएगी। यात्रा के दौरान अधिवक्ता सुरेंद्र मिश्रा हिंदुस्तानी के घर के सामने श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पानी, जलजीरा, शरबत एवं बूंदी के अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई है। आयोजन समिति ने समस्त ग्रामवासियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आविष्कार संशोधन पोस्टर स्पर्धा में श्रेयश्री गजभिये प्रथम

नूतन आदर्श महाविद्यालय की सफलता



संवाददाता

उमरेड। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा २८ अक्तूबर को अंत्योदय इन्स्टिट्यूट ऑफ सायन्स एंड रिसर्च सेंटर देवग्राम नरखेड में आविष्कार संशोधन महोत्सव २०२६ का आयोजन किया गया था। इस महोत्सव में पदवी गट में औषधी व औषधी निर्माण शास्त्र शाखा के लिए पोस्टर स्पर्धा आयोजित की गई थी। इस स्पर्धा में नूतन आदर्श महाविद्यालय उमरेड की वनस्पतिशास्त्र विभाग की छात्रा कु. श्रेयश्री गजभिये ने नागपुर जिला ग्रामीण स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसका चयन विश्वविद्यालय स्तरीय फेरी के लिए हुआ है।इस संशोधन महोत्सव में नूतन आदर्श महाविद्यालय उमरेड के कुल ५ विद्यार्थियों ने सहभाग लिया था। जिसमें वनस्पतिशास्त्र विभाग से कु। धनश्री फडस, कु। सारिका मंदिरकर, कु। श्रेयश्री गजभिये एवं रसायनशास्त्र विभाग से कु। माधुरी रावणे व अनिकेत शाहू ने अपने पोस्टर शोधप्रकल्प प्रस्तुत किए थे। श्रेयश्री की इस सफलता पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ। अर्चना चौधरी, वनस्पतिशास्त्र विभाग प्रमुख, रसायनशास्त्र विभाग प्रमुख एवं दोनों विभाग के प्राध्यापकों ने सभी विद्यार्थियों का अभिनंदन कर आगामी स्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी है।

शहीद फ़्लाइट लेफ़्टिनेंट पूर्वेश दुरुगकर के परिवार को एक करोड़ की मदद

सरकारी फंड से मदद का चेक बहादुर पिता और माता को सौंपा गया

संवाददाता

नागपुर। राज्य सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए अपना फ़र्ज़ निभाते हुए शहीद हुए फ़्लाइट लेफ़्टिनेंट पूर्वेश दुरुगकर के परिवार को एक करोड़ रुपये की मदद दी है। यह मदद का चेक गुरुवार, २९ अक्टूबर को ज़िला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर आनंद पाथरकर के हाथों शहीद सैनिक के पिता, रविंद्र नारायण दुरुगकर (वीर पिता) और माता, श्रीमती संध्या रविंद्र दुरुगकर (वीर माता) को सौंपा गया।

फ़्लाइट लेफ़्टिनेंट पूर्वेश दुर्गकर नागपुर के हुडकेश्वर रोड इलाके के न्यू सुभेदार लेआउट के रहने वाले थे। ५ मार्च, २०२६ को असम के जोरहाट जिले में एक प्लेन क्रैश में उनकी मौत हो गई। उस समय वे इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशन के सिलसिले में डण-३० चघख एयरक्राफ्ट की उड़ान से जुड़ी युद्ध-पूर्व ट्रेनिंग एक्सरसाइज कर रहे थे।

कलेक्टर ने पुराने कुओं की मरम्मत और पानी सप्लाई स्कीम को मजबूत करने के निर्देश दिए

संवाददाता

नागपुर। जिले में पानी की संभावित कमी को दूर करने के लिए पानी सप्लाई से जुड़े सभी उपायों में तेजी लाई जानी चाहिए। जिला कलेक्टर कुमार आशीर्वाद ने निर्देश दिया कि पुराने कुओं की मरम्मत, पानी सप्लाई स्कीम को मजबूत करने, हैंड पंप और डबल पंप सिस्टम की मरम्मत, नई पाइपलाइन बिछाने और छोटी पानी सप्लाई स्कीम को लागू करने का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए।

वे पानी सप्लाई की कमी के सिलसिले में हाल ही में जिला



प्लानिंग बिल्डिंग में हुई एक रिव्यू मीटिंग में बोल रहे थे। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने संबंधित नगर पालिकाओं में पानी की सप्लाई की स्थिति का रिव्यू किया। उमरेड, बेसा, बहादुरा, बिडगांव, हिंगना, नीलडोह, डिगडोह, कोंढाली, कामठी, वाड़ी, मोवाड़, कंदरी और काटोल में पानी की सप्लाई और दूसरे सिस्टम का रिव्यू किया गया। इस मौके पर अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के जॉइंट कमिश्नर विनोद जाधव के साथ-साथ नगर परिषद और पंचायत के प्रेसिडेंट, चेयरपर्सन और चीफ ऑफिसर मौजूद थे।

इस मीटिंग में पानी की कमी को दूर करने के लिए ज़रूरी अलग-अलग कामों पर चर्चा की गई। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने पानी की सप्लाई सिस्टम में आ रही दिक्कतों को दूर करने और लोगों को भरपूर पानी की सप्लाई देने के लिए तुरंत कदम उठाने पर ध्यान देने का निर्देश दिया।

डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कुमार आशीर्वाद ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित एडमिनिस्ट्रेटिव डिपार्टमेंट पानी की सप्लाई के बारे में संबंधित नगर पालिकाओं के मेयर और वॉटर सप्लाई चेयरपर्सन द्वारा उठाई गई दिक्कतों और सुझावों पर ज़रूरी कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी साफ किया कि पानी की कमी को दूर करने और प्रस्तावित कामों को समय पर पूरा करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियां मिलकर काम करें।

पटाखों से होने वाले हवा और आवाज़ के प्रदूषण की शिकायतों के लिए २४ घंटे का कंट्रोल रूम

नागपुर सिटी पुलिस सिस्टम तैयार

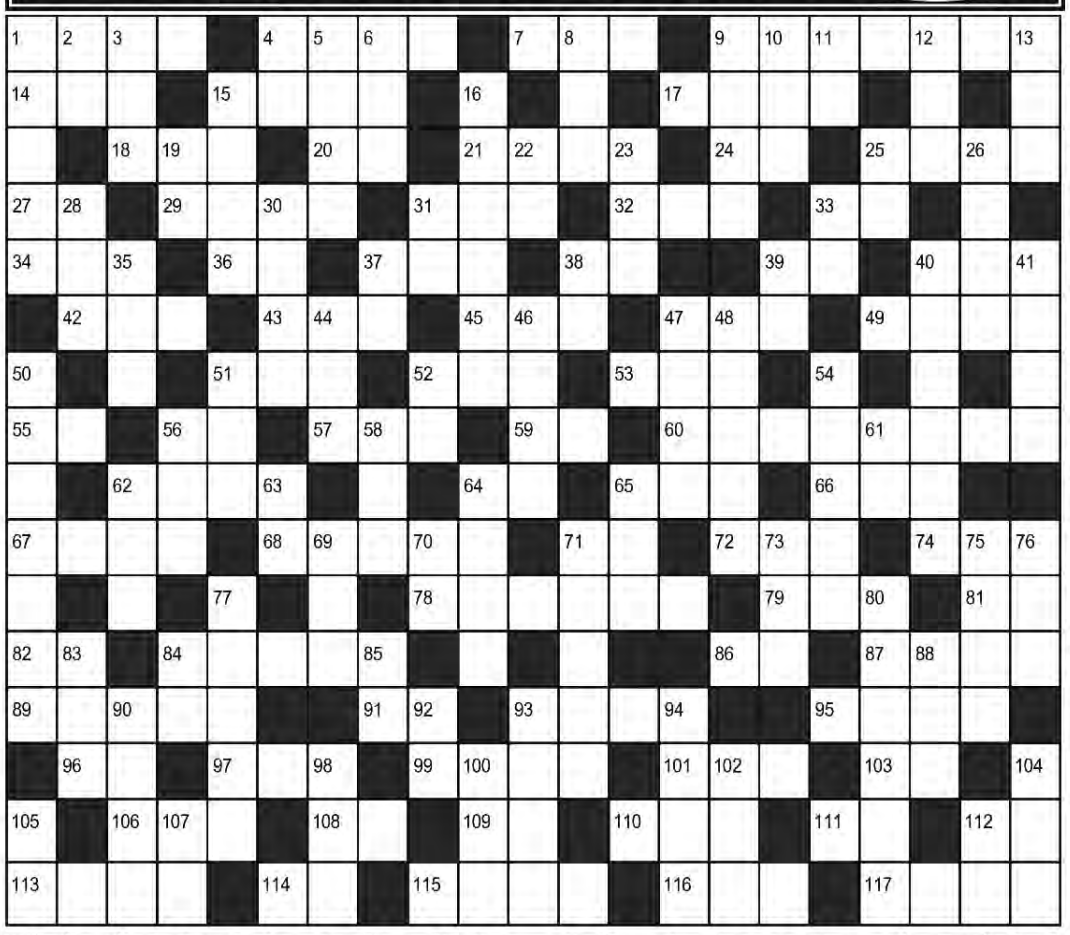
संवाददाता

नागपुर। नागपुर सिटी पुलिस कमिश्नरेट में एक शिकायत निवारण सिस्टम लागू किया गया है ताकि नागरिक पटाखे फोड़ने से होने वाले हवा और आवाज़ के प्रदूषण के बारे में शिकायत दर्ज कर सकें। यह व्यवस्था बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार की गई है, और नागरिकों की शिकायतें लेने के लिए एक अलग कंट्रोल रूम २४ घंटे चालू रहेगा।

यह कार्रवाई बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर डीं चेंीं झखङ छे। ०१/२०२६ के मामले में १५ अक्टूबर, २०२६ को पारित आदेश के अनुसार की गई है। नागपुर सिटी पुलिस ने नागरिकों से मोबाइल नंबर ९८२३३००१०० पर संपर्क करने और पटाखों से होने वाले हवा और आवाज़ के प्रदूषण के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज करने की अपील की है।

मिली शिकायतों पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा और ज़रूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और शिकायतों को दूर करने के लिए ज़रूरी कदम उठाए जाएंगे, पुलिस ने यह भी साफ़ किया है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे हवा और आवाज़ के प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए इस सुविधा का इस्तेमाल करें और प्रशासन का सहयोग करें।

शब्दवर्गपहेली 3938



बायें से दायें :— 1) यात्री 4) उत्कृष्ट किस्म की चांवल 7) पुरस्कार, पारितोषिक 9) भारत का एक उत्तरी राज्य 14) यात्रा, प्रवास 15) शंकरजी ने समुद्र मंथन से उत्पन्न इस उग्र विष को प्राशन किया 17) मनुष्य का खून चूसनेवाला एक कीड़ा 18) अपवित्र 20) प्रदान करना 21) विष्णु का एक नाम 24) छोटे लड़कों के लिए प्रयुक्त एक दुलार भरा शब्द 25) तलवार 27) फूलों का हार 29) शंकर, शिवजी 31) किसी महात्मा की जन्मतिथी पर मनाया जानेवाला उत्सव 32) कटि 33) अधिकार 34) चक्षू, आंख 36) बारीक सूजी 37) पृथ्वी,, धरा 38) रिक्त 39) घमंड 40) महोदय 42) शपथ, सौगंध 43) किसी काम को पूरा करने की प्रवृत्ति, विवाह 45) नशीला 47) अच्छा दिन 49) अमेरिका एक विश्वप्रसिद्ध जलप्रपात 51) नुपूर, स्त्रियोंद्वारा पैरों में पहनने का एक गहना 52) ढाक का फूल, टेसू 53) पुत्री,, कन्या 55) विवाह, लगन 56) विचार 57) अंधेरा 59) रुधिर, लहू 60) एक प्रसिद्ध पुराने फिल्मी गीतकार 62) सूर्य 64) स्त्रियोंद्वारा नाक में पहनने का एक गहना 65) न्यारा, विलक्षण, अलग किस्म का 66) हिमाचल प्रदेश एक प्रसिद्ध शहर जहां से शिमला को रेलद्वारा जाया जा सकता है 67) घी या तेल में पकाये खाद्य व्यंजन 68) एक दस्यु सुंदरी जो संसद में चुनकर आयी थी 71) नमक का स्वाद 72) भगवान 74) जीभ 78) पेड़–पौधों के अंगो का विवेचन करनेवाला एक शास्त्र 79) स्वामियुक्त, जो अनाथ न हो 81) नस 82) नवीन 84) इन्द्र की वाटिका 86) तलवार रखने की खोल 87) रथ बनानेवाला 89) मदद करनेवाला 91) स्कूल, विद्यालय 93) न्यायालय 95) महामार्ग पर चलनेवाले वाहनों पर लगनेवाला कर 96) दूल्हा 97) असावधान 99) एक अंग्रेजी महीना 101) माथा 103) राणा का अपभ्रंश 106) राशियों की संख्या 108) ज्वालामुखी से निकलनेवाला तप्त रस 109) एक सुगंधित वनस्पति 110) तर्क 111) महीना 112) मृत्यू 113) मृत्यू होने तक 114) चारपाई 115) नटखटपन, उधम 116) इस्लामी साधु या भिक्षुक 117) देश की मुद्रा ढालने का सरकारी कारखाना

ऊपर से नीचें :— 1) इस्लाम धर्म का अनुयायी 2) स्वच्छ 3) टहलना, मुड़ना, चक्कर लगाना 4) छोटी लड़की 5) महाभारत के पांच पांडवों में से एक 6) मसलना, घर्षण करना 8) पुरुषात्वहीन 9) जर्मनी प्रसिद्ध तानाशाह 10) प्रकरण, मसला 11) अस्थिर, चलायमान 12) नमस्कार, वंदन 13) चीनी,, शर्करा 15) पात्र, अधिकारी 16) सांसद रह चुकी एक पुरानी अभिनेत्री जो 'संगम' फिल्म में राज कपूर की हीरोईन थी 19) नजदीक 22) पोता 23) बनावटी 25) संदेह 26) एक सर्पराज 28) योग्य, सक्षम 30) शिवजी का मंदीर 31) धन, रुपया पैसा 33) सीमा 35) वंश 37) दौलत, सम्पत्ति 38) धूल, मिट्टी,, राख 39) अन्तःकरण, दिल 40) जयघोष 41) समानता 44) अशुद्ध, जो ठीक न हो 46) रामायण में कैकयी के पति 47) स्वर्णिम, बहुत अच्छा (मौका) 48) माचिस 50) आन्ध्र प्रदेश का प्रसिद्ध बन्दरगाह 51) पाप 52) पीप 54) धिक्कारना, तिरस्कार करना 56) चिन्तन 58) लिप्त, तल्लीन 61) पानी,, नीर 62) हिन्दूओं का सबसे बड़ा त्यौहार 63) कपड़े के फटे छेद को धागे से भरने की क्रिया 64) नयापन, नूतनता 65) हताशा 69) संबंध, प्रेम, मोह 70) ईश्वर, भगवान 71) आदरसत्कार 73) सांस लेने की क्रिया 75) शासक 76) नगर संबंधी,, नगर का 77) जहाज ठहरने का अड्डा 80) थरथराने की क्रिया 83) श्रीकृष्ण का वंश 84) नग्न, बिना कपड़े का 85) मादकता 88) शिथिल होना, थकावट, श्रान्त होना 90) राजसभा 92) लज्जा, शरम 93) मौका 94) कष्ट 98) माथा, मस्तक 100) नाजयुक्त चंचलता या हावभाव 102) डोली 104) एक धातु 105) काले रंग का एक पक्षी 107) युद्ध 112) मां की बहन के पति (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

चि	रा	ग	■	जा	य	ज	■	आ	ज	मा	ना	■	म	ई	■	के	■	त	न	हा
प	ह	ल	वा	न	■	ल	ल	का	र	■	ग	ग	न	■	खु	श	हा	ल	■	थ
क	■	त	ह	की	का	त	■	श	■	म	■	दा	मो	द	र	■	नि	■	बा	म
ना	सा	■	वा	■	ना	रं	गी	■	स	द	मा	■	ह	र	द	म	■	ब	द	ल
■	ध	न	ही	न	■	ग	द	ग	द	हो	ना	■	न	गा	रा	■	नि	क	ल	ना
ही	न	■	लू	ट	ना	■	ड़	■	ग	श	■	नृ	सिं	ह	■	इ	शा	रा	■	■
ला	■	प	ट	रा	नी	■	भ	■	ति	■	सं	■	ह	■	चु	रा	ना	■	खा	रा
ह	म	■	ना	ज	■	अ	भ	य	■	सं	ता	न	■	आ	प	दा	■	ख	स	■
वा	न	र	■	■	जा	न	की	व	ल्ल	भ	प	ट	ना	य	क	■	खा	ट	■	अ
ला	वा	■	मु	ला	य	म	■	न	■	ल	■	■	ट	क	रा	ना	■	म	द	न
■	ना	ता	■	प	का	ना	■	■	आ	ना	का	नी	क	र	ना	■	म	ल	■	चा
आ	■	■	पु	ता	■	■	प	ना	ह	■	न	र	■	■	■	जू	ही	■	लो	हा
स	च	मु	च	■	आ	श	ना	ई	■	पं	क	ज	क	पू	र	■	ना	वि	क	■
पा	■	ना	का	म	या	ब	■	न	व	जा	त	■	■	र	स	म	■	प्र	वा	स
स	■	सि	र	■	म	न	न	■	ज	ब	र	द	स्त	■	भी	त	र	■	ह	रि
■	ले	ब	ना	न	■	म	न	मा	नी	■	ना	म	र	ख	ना	■	मा	द	क	ता

anumeya-08446302691

स्कूल के पास डंपिंग यार्ड का विरोध



शिवसेना युवा सेवा ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

नागपुर। शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे युवा सेना प्रमुख आमदार आदित्य ठाकरे के आशीर्वाद से राष्ट्रीय सदस्य व नगरसेवक हर्षल काकड़े के मार्गदर्शन में नागपुर जिला विस्तारक छोटू भाऊ राऊत के नेतृत्व में नागपुर महानगर पालिका सिविल लाइन में छोटे बच्चों के स्कूल के पास कचरे का डंपिंग यार्ड के खिलाफ निवेदन दिया गया।

चेतावनी दी गई की दिवाली तक वहा से कचरा डंपिंग यार्ड हटाया नहीं गया तो युवा सेना अपने अंदाज में आंदोलन करेगी। निवेदन देते समय बाबा लानोकर, विस्तारक बादल पसेरकर, विनोद कल्याणी, ऋषि आनंद, अजय सोनटक्के, शुभम अरखेल, पलाश तुमाने, यश कटारे, निखिल समुंद्रे, ऋषभ महतो, योगेश नाईक आदि उपस्थित थे।

निधन

सुहास भुसारी

नागपुर। नरेंद्र नगर निवासी सुहास सुधाकर भुसारी (७६) का निधन हो गया। आज सुबह मानेवाडा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

हरिदास पांगुल

उमरेड। शहर के नारायण नगर निवासी मराठा सेवा संघ के उमरेड तहसील पूर्वाध्यक्ष एवं नागपुर जिला उपाध्यक्ष हरिदास पांगुल का अल्प बीमारी से निधन हुआ। अंतिम संस्कार भिवापुर रोड स्थित मोक्षधाम पर किया गया।



जयशंकर गेडाम

उमरेड। शहर के कावरापेठ निवासी जयशंकर गेडाम का निधन हुआ। अंतिम संस्कार उमरेड वेकोलि आम नदी घाट पर किया गया।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए टीम घोषित

तिलक वर्मा को कप्तानी; रिंकू सिंह, वैभव सूर्यवंशी और हर्षित राणा को मौका

नई दिल्ली। राइजिंग स्टार्स एशिया कप २०२६ के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत ए टीम का ऐलान कर दिया है। १९ से २९ नवंबर तक कतर की राजधानी दोहा में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कमान युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी घरेलू क्रिकेटर रजत पाटीदार उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम में युवा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन रखने की कोशिश की गई है।

इस टीम में रिंकू सिंह, अभिषेक शर्मा, हर्षित राणा और १४ वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया गया है। वैभव को मौका मिलना इस चयन की सबसे खास बात मानी जा रही है। कम उम्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले वैभव को अब एशिया के उभरते क्रिकेटरों के बीच अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

तिलक वर्मा को कप्तानी सौंपने के पीछे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बढ़ती भूमिका और टी-२० प्रारूप में अनुभव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वह भारतीय सीनियर टीम में भी उपकप्तान की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। वहीं, रजत पाटीदार को उपकप्तान बनाकर चयनकर्ताओं ने टीम में अनुभव और नेतृत्व का संतुलन बनाने की कोशिश की है। पाटीदार आईपीएल में कप्तानी कर चुके हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है।

टीम में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी को सलामी बल्लेबाज के रूप में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। दोनों आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं। अभिषेक का अनुभव और वैभव की युवा ऊर्जा भारतीय टीम को तेज शुरुआत दिलाने में उपयोगी साबित हो सकती है। वहीं, रिंकू सिंह मध्यक्रम में फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। दबाव के समय तेजी से रन बनाने और बड़े लक्ष्य का पीछा करने की उनकी क्षमता टीम के लिए महत्वपूर्ण होगी।



१५ साल के वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें

इस टीम में सबसे अधिक चर्चा १५ वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की है। कम उम्र में क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले वैभव को लगातार बड़े मंचों पर खेलने के अवसर मिल रहे हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, बड़े शॉट लगाने की क्षमता और तेज रन बनाने का अंदाज उन्हें खास बनाता है। हाल के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी-२० मुकाबले में उन्होंने १९ गेंदों पर ४५ रन की विस्फोटक पारी खेली थी। अभिषेक शर्मा के साथ उनकी सलामी जोड़ी ने पावरप्ले में भारतीय बल्लेबाजी को नई ऊंचाई दी थी। ऐसे में राइजिंग स्टार्स एशिया कप उनके लिए अपनी प्रतिभा को एक और बड़े मंच पर साबित करने का अवसर होगा।

हर्षित राणा की वापसी पर भी नजर

तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी १५ सदस्यीय टीम में जगह मिली है। वह चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। ऐसे में उनका चयन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में हर्षित के साथ प्रिंस यादव और अरशद खान को शामिल किया गया है। तीनों तेज गेंदबाजों पर विपक्षी टीमों के बल्लेबाजों को शुरुआती झटके देने की जिम्मेदारी रहेगी।

इसके अलावा शाहबाज अहमद, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, विप्रज निगम और सूर्यांश शेडगे को भी टीम में जगह दी गई है। ये खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में योगदान देने की क्षमता रखते हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी प्रभसिमरन सिंह और कुमार कुशाग्र संभालेंगे। इस तरह टीम में दो विकेटकीपर बल्लेबाजों को शामिल किया गया है।

भारत के ग्रुप में पाकिस्तान-ए और नेपाल

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी. इन्हें दो समूहों में बांटा गया है। भारत-ए को ग्रुप बी में रखा गया है. इस ग्रुप में पाकिस्तान-ए, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीमें भी शामिल हैं. वहीं, ग्रुप ए में बांग्लादेश-ए, श्रीलंका-ए, अफगानिस्तान-ए और हांगकांग की टीमें रहेंगी।

प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले २६ और २७ नवंबर को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मुकाबला २९ नवंबर को होगा। इस प्रारूप में भारत के लिए शुरुआती तीनों मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे। किसी भी टीम की एक हार भी सेमीफाइनल की राह मुश्किल कर सकती है।

२० नवंबर को नेपाल से पहला मुकाबला, २२ को पाकिस्तान से टक्कर

भारत-ए अपने अभियान की शुरुआत २० नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद २२ नवंबर को इसी मैदान पर भारत-ए का सामना पाकिस्तान-ए से होगा। ग्रुप चरण का तीसरा और अंतिम मुकाबला २४ नवंबर को यूएई के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित होगा। पाकिस्तान-ए के खिलाफ मुकाबला टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मैच रहने की उम्मीद है। दोनों देशों की ए टीमों के बीच यह मुकाबला खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने के साथ ही बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर दबाव में खेलने का अनुभव हासिल करने का अवसर होगा।

भारत-ए की १५ सदस्यीय टीम

अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव और अरशद खान। इस टूर्नामेंट के जरिए चयनकर्ताओं के पास युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखने का अवसर होगा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ियों को अपनी लय और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का मौका मिलेगा। खास तौर पर वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह और हर्षित राणा के प्रदर्शन पर क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी।

भारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार की वापसी की राह अब मुश्किल

आर अश्विन का बड़ा बयान, मोहम्मद शमी को बताया बेहतर विकल्प



हैमिल्टन। टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल हो सकती है। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टी२० सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भुवनेश्वर के लिए टीम में दोबारा जगह बनाना आसान नहीं होगा। उन्होंने यहां तक कहा कि भुवनेश्वर का भारतीय टीम में अध्याय शायद बंद हो चुका है। इसके साथ ही अश्विन ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी की भी वकालत की।

भुवनेश्वर कुमार ने चार साल बाद भारतीय टी२० टीम में वापसी की थी। आईपीएल २०२६ में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। उन्होंने टूर्नामेंट के १६ मुकाबलों में २८ विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी का लोहा मनवाया था। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ चार मैचों की टी२० सीरीज में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। ३६ वर्षीय गेंदबाज केवल एक विकेट ले सके और उन्होंने ११.५० की इकोनॉमी से रन खर्च किए।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। वह अपनी फॉर्म साबित नहीं कर सके। आईपीएल में उनकी फॉर्म और यहां न्यूजीलैंड सीरीज में उनके प्रदर्शन के बीच जमीन-आसमान का अंतर था। मुझे लगता है कि शायद यह अध्याय बंद हो चुका है। उनके लिए वापसी करना बहुत मुश्किल होगा।'

तैयारी पर भी उठाए सवाल

अश्विन ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन के साथ उनकी गेंदबाजी की गति और रनअप की तीव्रता पर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि आईपीएल के मुकाबले न्यूजीलैंड सीरीज में भुवनेश्वर की गेंदबाजी में वह धार और तेजी नजर नहीं आई। उन्होंने कहा, 'निराशाजनक बात सिर्फ उनका प्रदर्शन या अतिरिक्त रन देना नहीं था। आईपीएल में जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, उसकी तुलना में यहां उनके रनअप की गति कम थी और गेंदबाजी की रफ्तार भी कम थी। इससे मुझे लगता है कि शायद वह इस सीरीज के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ ट्रेनिंग फॉर्म में नहीं आए थे।' अश्विन के मुताबिक, युवा खिलाड़ियों को चयनकर्ता कई मौके दे सकते हैं, लेकिन अनुभवी खिलाड़ी से वापसी के दौरान बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहती है।

शमी की लय को बताया भुवनेश्वर से बेहतर

अश्विन ने मोहम्मद शमी की वापसी की भी पैरवी की। शमी डेढ़ साल से अधिक समय से भारतीय टीम से बाहर हैं, लेकिन रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते हुए अच्छी लय में नजर आए हैं। अश्विन ने कहा, 'अभी मुझे लगता है कि रणजी ट्रॉफी में शमी जिस तरह गेंदबाजी कर रहे हैं, उनकी लय भुवनेश्वर से कहीं बेहतर है।' भारतीय टीम को अब दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टी२० सीरीज खेलनी है। ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर अहम फैसला लेने की चुनौती होगी।

ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ऑस्ट्रेलिया को तीन बार बनाया चैंपियन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। इसके साथ ही एक दशक से ज्यादा लंबे उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया। ३८ वर्षीय मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में कुल २८६ मुकाबले खेले। इस दौरान उन्होंने ७२२६ रन बनाने के साथ १३६ विकेट भी हासिल किए। 'द बिग शो' के नाम से मशहूर मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया की २०१५ और २०२३ वनडे विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे। इसके अलावा वह २०२१ में टी२० विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे।

क्या बोले मैक्सवेल?

मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट' पर अपने संन्यास को लेकर कहा, 'यह फैसला थोड़ा दुखद है, लेकिन कहीं न कहीं इसकी उम्मीद भी थी। मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ विक्टोरिया के लिए ५० ओवर और चार दिवसीय घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास का एलान कर रहा हूं। रेड बॉल क्रिकेट को पूरी तरह छोड़ने का फैसला शायद किसी को चौंकाने वाला नहीं होगा।'

ग्लेन मैक्सवेल ने साल २०१२ में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मुकाबले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार पावर हिटिंग और अनोखे शॉट्स के दम पर दुनिया के सबसे खतरनाक व्हाइट-बॉल बल्लेबाजों में अपनी पहचान बनाई। मैक्सवेल अपनी बल्लेबाजी से किसी भी समय मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते थे। गेंदबाजी में उपयोगी ऑफ स्पिन और मैदान पर बेहतरीन फील्डिंग ने उन्हें एक संपूर्ण ऑलराउंडर बनाया।



टी२० अंतरराष्ट्रीय में रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रिकॉर्ड

मैक्सवेल टी२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांच शतक लगा चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ वह भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से इस प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका योगदान ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बेहद अहम रहा।मैक्सवेल के करियर की सबसे यादगार पारियों में २०२३ वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई उनकी नाबाद २०१ रन की पारी शामिल है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया २९२ रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था। एक समय ऑस्ट्रेलियाई टीम ९१ रन पर सात विकेट गंवाकर हार की कगार पर पहुंच गई थी। इसके बाद मैक्सवेल ने ऐंठन और शारीरिक परेशानी के बावजूद १२८ गेंदों पर नाबाद २०१ रन की ऐतिहासिक पारी खेली और टीम को तीन विकेट से जीत दिला दी। उनकी इस पारी को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे यादगार पारियों में गिना जाता है।

यूथ ओलंपिक में भारत को दोहरी सफलता

जूडो में खुशबू ने जीता रजत, तैराक धिनिधि ने कांस्य पर जमाया कब्जा

दकार। यूथ ओलंपिक गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। सोमवार को भारत की युवा जूडो खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने महिलाओं के ६३ किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि तैराकी में धिनिधि देसिंघु ने महिलाओं की १०० मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। १५ वर्षीय खुशबू राजकभाई ने महिलाओं के ६३ किलोग्राम जूडो वर्ग के फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें जर्मनी की जोलिना राइनहोल्ड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जर्मन खिलाड़ी ने महज ४८ सेकंड में इप्पोन के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया और खुशबू को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खुशबू यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारत की दूसरी जूडो खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले २०१८ में ब्यूनस आयर्स यूथ ओलंपिक में थांगजाम तबाबी देवी ने महिलाओं के ४४ किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था।

खुशबू ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने राउंड ऑफ १६ में गिनी की मामाइसाटा कैमारा को १-० से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मोरक्को की अबीर बुआज्जाउई को इप्पोन से शिकस्त दी।सेमीफाइनल में खुशबू ने अल्जीरिया की दुनिया बेराहुआल को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस मुकाबले में उनकी प्रतिद्वंद्वी को हांसोकू-माके (गंभीर अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण अयोग्यता) का दंड भी दिया गया, जिसके चलते खुशबू को जीत मिली। अगर खुशबू स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहतीं, तो वह यूथ ओलंपिक में भारत की चौथी स्वर्ण पदक विजेता बन जातीं। इससे पहले मनु भाकर, सौरभ चौधरी और जेरेमी लालरिनुंगा ने २०१८ में स्वर्ण पदक जीते थे।

सरफराज खान का छलका दर्द

टीम इंडिया में मौका नहीं मिलने पर हुए दुखी

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने और अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत करने के बावजूद टीम इंडिया में वापसी का मौका नहीं मिलने पर निराशा जाहिर की है। मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी में रेलवे के खिलाफ मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद सरफराज ने कहा कि कई बार उनके मन में सवाल आता है कि आखिर वह इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे और जब भी भारतीय टीम से बुलावा आएगा, वह खेलने के लिए तैयार रहेंगे।

सरफराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'बहुत कुछ हो चुका है। मैं अब ज्यादा नहीं सोचता। हर सुबह उठकर खुद से एक ही सवाल पूछता हूं कि मुझे इतनी मेहनत क्यों



करनी चाहिए? सुबह पांच बजे वही दिनचर्या शुरू होती है। मैं भारत के लिए खेल चुका हूं। सामान्य दिनचर्या के साथ भी मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी खेल सकता हूं, क्योंकि मैं ३०, ५० और १०० रन बना रहा हूं।' उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में उनके पिता नौशाद खान उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। सरफराज के मुताबिक, जब वह अपने पिता को मेहनत करते देखते हैं तो उनके मन में दोबारा मैदान पर जाकर रन बनाने का जुनून पैदा होता है। उन्होंने कहा, 'जब मैं अपने पिता को मेहनत करते देखता हूं तो सोचता हूं कि ठीक है, मैं उनके लिए मैदान पर जाकर रन बनाऊंगा। अगर किसी को सरफराज खान से मिलना है तो उसे मेरे घर आने की जरूरत नहीं है। वह सुबह छह बजे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान में मुझसे मिल सकता है।'

विदेशी जमीन पर रन बनाने के बावजूद नहीं मिला मौका

सरफराज ने यह भी कहा कि उन्हें ऐसा महसूस होता है कि भारतीय टीम उन्हें मुख्य रूप से घरेलू परिस्थितियों में होने वाले टेस्ट मुकाबलों के लिए देख रही है। हालांकि, किसी चयनकर्ता ने उन्हें सीधे तौर पर ऐसी बात नहीं कही है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भारत ए की ओर से खेलते हुए शतक लगाने का उदाहरण दिया। सरफराज ने कहा, 'जब मैं दक्षिण अफ्रीका गया था तो मैंने भारतीय टीम के खिलाफ ६३ गेंदों में शतक लगाया था। इंग्लैंड में भी ७६ गेंदों में शतक बनाया था। ऐसा नहीं है कि मैंने भारत से बाहर रन नहीं बनाए हैं। यह चयनकर्ताओं का नजरिया है। मेरा काम क्रिकेट खेलना है।' सरफराज फरवरी २०२४ में टेस्ट पदार्पण करने के बाद अब तक छह टेस्ट खेल चुके हैं। उनके सभी मुकाबले भारतीय मैदानों पर हुए हैं। वह श्रीलंका दौरे पर साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद भारतीय टीम में शामिल हुए थे, लेकिन उन्हें प्लेइंग-११ में जगह नहीं मिली। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम का हिस्सा थे।

एसएईएल ने शुरू की धान की पराली की खरीद

नई दिल्ली। उत्तर भारत में फसल की कटाई के मौसम की शुरुआत के साथ वर्टिकली इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ('एसएईएल') ने अलग-अलग चरणों में लगभग २० लाख टन धान की पराली (पैडी स्ट्रॉ) की खरीद शुरू कर दी है। ईंधन जुटाने की यह सालाना प्रक्रिया कंपनी के ११ एग्री वेस्ट-टु-एनर्जी (एजीडब्ल्यूटीई) प्लांट्स के काम आएगी, जिनकी कुल क्षमता १६४.९ मेगावाट है।

बायोमास जुटाने के इस अभियान के जरिए एसएईएल स्थानीय ग्रामीण सप्लाई चेन को मजबूत करने और बेकार पड़ी धान की पराली को रिन्यूएबल एनर्जी में बदलने की कोशिश कर रही है। इन प्रयासों से कंपनी एनर्जी ट्रांजिशन और प्रदूषण घटाने, दोनों में योगदान दे पाती है।

भारत में अब फसल अवशेष जलाने की समस्या से निपटने का दृष्टिकोण केवल घटनाओं की निगरानी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसके बेहतर विकल्पों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में एग्री वेस्ट-टु-एनर्जी प्लांट एक स्थायी समाधान के रूप में सामने आ रहे हैं। वर्ष २०२६ में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों को धान की पराली जलाने की समस्या को पूरी तरह से समाप्त करने के उद्देश्य से कार्य योजनाओं को लागू करने का निर्देश दिया है। ये योजनाएं जमीनी स्तर की निगरानी और अवशेष-प्रबंधन मशीनरी की उपलब्धता के साथ-साथ पराली को खेत से बाहर ले जाकर बायोमास बिजली, पेलेट्स, ब्रिकेट्स और दूसरे औद्योगिक कामों में इस्तेमाल करने पर ज्यादा जोर देती हैं।

३७४ विद्यार्थियों को मिली डिग्री

अहमदाबाद। अदाणी यूनिवर्सिटी का तीसरा दीक्षांत समारोह शनिवार को अहमदाबाद में आयोजित हुआ। इस अवसर पर साल २०२६ के बैच के ३७४ विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जबकि शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए १० विद्यार्थियों को पदक से सम्मानित किया गया। इनमें पांच स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. गोविंदन रंगराजन थे। अदाणी यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने समारोह की अध्यक्षता की।

समारोह में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए अदाणी यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने कहा कि गणित, अनुसंधान और अकादमिक नेतृत्व में प्रो. रंगराजन का विशिष्ट योगदान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन अदाणी यूनिवर्सिटी को एक अग्रणी अनुसंधान आधारित संस्थान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। डॉ. प्रीति अदाणी ने भारत की विकास यात्रा में इनोवेशन और अनुसंधान की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, भारत ने उल्लेखनीय पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। अब हमें उसी बड़े पैमाने पर नवाचार करने और नए विचारों को विकसित करने की क्षमता पैदा करनी होगी। उन्होंने उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मजबूत साझेदारी की जरूरत पर जोर दिया।

अंबुजा सीमेंट्स ने विस्तार योजनाओं को दी रफ्तार

अहमदाबाद। अदाणी समूह का हिस्सा और भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल कंपनियों में से एक, अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने अपने अगले विस्तार चरण की योजना तैयार कर ली है। इसके तहत नए ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए प्रमुख बाजारों में सीमेंट उत्पादन क्षमता लगभग ३० एमटीपीए बढ़ाई जाएगी। इस योजना से पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत में कंपनी का मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क और मजबूत होगा। फिलहाल, अंबुजा सीमेंट्स की देशभर में २४ इंटीग्रेटेड सीमेंट प्लांट और २४ ग्राइंडिंग यूनिट्स के माध्यम से कुल उत्पादन क्षमता ११३.५ एमटीपीए है।

इस विस्तार योजना के तहत पश्चिमी क्लस्टर में लगभग १५.५ एमटीपीए, पूर्वी क्लस्टर में ११.६ एमटीपीए और उत्तरी क्लस्टर में २.९ एमटीपीए की नई ग्राइंडिंग क्षमता जोड़ी जाएगी। पूर्वी क्लस्टर में असम के रंगिया (२.९ एमटीपीए) और होजाई (२.९ एमटीपीए), झारखंड के गोड्डा (२.९ एमटीपीए) और बिहार के मुजफ्फरपुर (२.९ एमटीपीए) में नई उत्पादन क्षमता स्थापित की जाएगी। पश्चिमी क्लस्टर में गुजरात के मुंद्रा (२.९ एमटीपीए) और हजीरा (२.९ एमटीपीए), महाराष्ट्र के रायगढ़ (२.९ एमटीपीए), कल्याण (२.९ एमटीपीए), दहानू (०.७ एमटीपीए) और अमरावती (२.९ एमटीपीए) में क्षमता बढ़ाई जाएगी। वहीं, उत्तरी क्लस्टर में उत्तर प्रदेश के दादरी में लाइन-२ (२.९ एमटीपीए) के तहत नई क्षमता जोड़ी जाएगी। इस योजना में क्लिंकर उत्पादन क्षमता का विस्तार भी शामिल है।

क्या आईपीएल में खेलेंगे आमिर

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर विराम लग गया है। ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बाद अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) के लिए ब्रिटिश खिलाड़ी के तौर पर पंजीकरण कराने वाले आमिर ने आईपीएल में खेलने की खबरों को गलत बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इन खबरों का खंडन किया। आमिर ने लिखा, 'सभी को नमस्कार, मैं बस यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि आईपीएल को लेकर चल रही खबरें सही नहीं हैं।

NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION
Offline Quotation Notice

NMC invites Offline Quotation for the following works. This Offline Quotation can be submitted by the Registered Contractors who have executed similar types of works in Govt. / Semi Govt. / Mpl. Corporations/Local Governments in Maharashtra. The Terms and conditions of Offline Quotations are available in Quotation Form. The sale and purchase of Quotation form can be done at Director (CFC/IT), NMC, Civil Office.

Quotation ID No.	Name of the work	EMD
1	Installation, Providing, Commissioning of IP. C.C.T.V. Camera System at Mor Bhavan Depot. 2, Sitabuldi, NMC, Nagpur.	Rs. 10,000/-

Note:- 1) Cost of Quotation Form **Rs. 590/-, 2)** Quotation Publishing & Sale Start Date **03.11.2026, 3)** Quotation Submission Start Date **03.11.2026, 4)** Quotation Submission End Date/Sales end date Upto **09.11.2026 upto 3.00 pm**, Quotation Opening Date **09.11.2026 at 4.00 pm** or any suitable date

Dy. M.C. & Director
(Information & Technology Department)
N.M.C., Nagpur.

Advt No. 442 PR
Date 02.11.2026



'जेलर २' ने १९वें दिन दो बड़ी फिल्मों को पछाड़ा

मुंबई। रजनीकांत की 'जेलर २' का बॉक्स ऑफिस पर राज फीका पड़ते दिख रहा है। 'रामायण' की रिलीज से पहले फिल्म अपनी चमक खोती नजर आ रही है। वहीं, आयुष्मान खुराना की 'उड़ता तीर' ने इसका डंटकर सामना किया है। अजय देवगन की 'दृश्यम ३' भी लाखों में सिमटकर रह गई है। जानिए कलेक्शन। सिनेमाघरों में रिलीज के तीन हफ्ते बाद भी, रजनीकांत की 'जेलर २' बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित कर रही है। एक शानदार तीसरे वीकेंड के बाद भी फिल्म ने अपनी रफ्तार बनाए रखी है, हालांकि सोमवार के आंकड़ों में थोड़ी गिरावट देखी गई है। नेल्सन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का भारत में नेट कलेक्शन अब रु.४५९ करोड़ के पार पहुंच गया है, जिससे यह एक और बड़े मील के पत्थर के काफी करीब आ गई है। वहीं, अजय देवगन की 'दृश्यम ३' की हालत सबसे खराब है।

sms

इश्क में धोखा खाने लगे हैं लोग, दिल की जगह जिस्म को चाहने लगे हैं लोग।

सुपारी तस्करी : नागपुर का टिक्कू गिरफ्तार

कोलकाता डीआरआई की कार्रवाई

संवाददाता

नागपुर। मूंगफली से लेकर सुपारी के कारोबार तक अपनी पहचान बनाने वाले नागपुर के कारोबारी टिक्कू उर्फ जयेश पंचमतिया का नाम अब कथित अंतरराष्ट्रीय सुपारी तस्करी नेटवर्क से जुड़ने के बाद शहर के व्यापारिक जगत में खलबली मच गई है। इंडोनेशिया से सुपारी मंगाकर उसे बांग्लादेश की कृषि उपज बताने और भारत में खपाने के कथित हजारों करोड़ रुपये के खेल में डीआरआई ने करोड़पति गली, सिविल लाइंस निवासी ५५ वर्षीय टिक्कू को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद नागपुर के सुपारी बाजार में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे कुछ कारोबारी शहर से गायब हैं।



१०५ फीसदी कस्टम ड्यूटी से बचने का खेल

इस पूरे मामले में सबसे अहम सवाल है कि आखिर इंडोनेशिया की सुपारी को बांग्लादेशी बताने की जरूरत क्यों पड़ी. सूत्रों के अनुसार, इंडोनेशियाई सुपारी के आयात पर भारत में करीब १०५ प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगती है. दूसरी ओर, बांग्लादेश से आयात पर रियायती है. जांच एजेंसी को संदेह है कि इसी व्यवस्था का कथित दुरुपयोग कर सुपारी की उत्पत्ति और आयात संबंधी दस्तावेजों में हेराफेरी की गई. आरोप है कि इंडोनेशिया से सुपारी पहले बांग्लादेश पहुंचाई जाती थी। इसके बाद कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे बांग्लादेश की कृषि उपज बताया जाता था. फिर कोलकाता के रास्ते सुपारी की खेप देश के अलग-अलग शहरों में पहुंचाई जाती थी. इस पूरे खेल में कस्टम ड्यूटी से बचने और भारतीय बाजार में सुपारी खपाने का नेटवर्क काम कर रहा था।

बांग्लादेश की फर्म से नागपुर तक कनेक्शन

सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश की बालाजी इंटरनेशनल नामक फर्म इस कारोबार की महत्वपूर्ण कड़ी बताई जा रही है. आरोप है कि इस फर्म के माध्यम से इंडोनेशियाई सुपारी मंगाकर उसे कथित रूप से बांग्लादेशी माल के तौर पर भारतीय बाजार तक पहुंचाया जाता था. टिक्कू उर्फ जयेश के साथ, अनिस, टिंकू, अन्ना, सन्नी सहित शहर के कुछ सुपारी कारोबारी इस नेटवर्क से जुड़ी सुपारी की खरीदी-बिक्री करते थे. हालांकि, संबंधित कारोबारियों की भूमिका और उनके लेन-देन की वास्तविक प्रकृति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी. स्मगलिंग से जुड़े व्यापारियों की वजह से सुपारी का अधिकृत कारोबार करनेवाले व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है.

नौ कारोबारी गिरफ्तार!

कथित तौर पर कई वर्षों से चल रहे इस नेटवर्क की भनक डीआरआई को लगने के बाद जांच शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार जांच में देश के अलग-अलग शहरों के कारोबारियों के नाम सामने आए। इसके बाद कार्रवाई का दायरा बढ़ाया गया और डीआरआई की इंदौर इकाई ने टिक्कू को पूछताछ के लिए तलब किया। इंदौर में पूछताछ के बाद उसे कोलकाता डीआरआई को सौंपा गया। उसने पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों का दावा है कि इस मामले में अब तक नौ कारोबारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मोबाइल पर आए मैसेज से वाहन मालिक चिंतित

नागपुर। पिछले कुछ दिनों से नागपुर सहित देश के हजारों वाहन मालिकों के मोबाइल पर - एक संदेश आ रहा है, जिसमें लिखा है आपका वाहन स्थायी संग्रह में डाल दिया गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के नाम से आ रहे इस मैसेज के बाद वाहन चालकों में असमंजस और डर का माहौल है कि, कहीं उनका वाहन जब्त या स्क्रैप तो नहीं कर दिया गया है। इसे लेकर जब आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) के अधिकारियों से बात की गई, तो उन्होंने स्थिति को स्पष्ट करते हुए साफ किया है कि, यह कोई जब्ती या स्क्रैप की कार्रवाई नहीं है, बल्कि एक ऑटोमेटेड रिमाइंडर (स्वचालित चेतावनी संदेश) मात्र है।

कई पहुंच रहे आरटीओ

क्यों आ रहा है संदेश : आरटीओ अधिकारियां के अनुसार जिन वाहनों का बीमा और पीयूसी लंबे समय से नहीं कराया गया है, उनके लिए परिवहन विभाग के आधिकारिक 'वाहन पोर्टल' पर यह अलर्ट जनरेट हो रहा है। केंद्रीय मंत्रालय ने गत १० सितंबर से ऐसे अनियंत्रित और गैर-दस्तावेजी - वाहनों को सिस्टम में 'स्थाई संग्रह' कैटेगरी में डालना शुरू किया है, ताकि बिना वैध दस्तावेजों के सड़कों पर चल रहे वाहनों की पहचान की जा सके। मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना वैध बीमा और पीयूसी के वाहन चलाना कानूनी अपराध है। इसी क्रम में वाहन मालिकों को यह संदेश भेजा जा रहा है।

यदि आपके पास भी इस तरह का कोई संदेश आया है, तो आपको घबराने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है। इससे निपटने के लिए अपने वाहन का वैध बीमा और पीयूसी तत्काल बनवा लें या रिन्यू कराएं। जैसे ही आपके दस्तावेज ऑनलाइन अपडेट होंगे, सिस्टम खुद-ब-खुद यह अलर्ट हटा देगा और आपका वाहन दोबारा 'सामान्य श्रेणी' में आ जाएगा।

नागपुर जिला राज्य की बड़ी पहल में शामिल

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना

संवाददाता

नागपुर। राज्य सरकार राज्य के युवाओं को अच्छी स्किल ट्रेनिंग और रोज़गार के मौके देने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। इसके लिए मैजिक बस फाउंडेशन के साथ मिलकर राज्य के सात जिलों में खास पहल की जा रही है। इस पहल में नागपुर जिले के शामिल होने से जिले के युवाओं को ट्रेनिंग के साथ-साथ रोज़गार के मौके भी मिलेंगे।



यह खास पहल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कॉन्सेप्ट के तहत मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के तहत लागू की जा रही है। इस स्किल ट्रेनिंग और रोज़गार के मौकों की पहल में जिन सात जिलों को शामिल किया गया है, उनमें नागपुर जिला, वर्धा, अमरावती, अकोला, चंद्रपुर, नासिक और सिंधुदुर्ग जिले शामिल हैं। अगले पांच सालों में इन सात जिलों के २ लाख ५० हज़ार से ज़्यादा ज़रूरतमंद युवाओं तक पहुंचा जाएगा और उन्हें स्किल ट्रेनिंग देकर रोज़गार के मौके दिए जाएंगे। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन की इस पहल में इंटीग्रेटेड लाइफ स्किल्स, एम्प्लॉयबिलिटी ट्रेनिंग, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट और एम्प्लॉयमेंट लिंकेज शामिल हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह पहल सरकार की प्राथमिकताओं के मुताबिक है, जिसमें महिलाओं की लेबर फोर्स में भागीदारी बढ़ाना, सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट को बढ़ावा देना, ग्रामीण एंटरप्रेन्योरशिप बढ़ाना और ग्रेजुएट युवाओं में रोजगार के लिए ज़रूरी स्किल्स डेवलप करना शामिल है, साथ ही इस पहल को नागपुर जिले से भी जोड़ा गया है।

इस पहल के लिए डिपार्टमेंट के ज़रिए ज़रूरी सहयोग दिया जाएगा। साथ ही, फंड के सर्कुलेशन और चेणी को फॉर्मलाइज़ करने के लिए ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। यह पहल जिले के लिए ज़रूरी होगी क्योंकि इससे जिले के हज़ारों होनहार युवाओं को अच्छी ट्रेनिंग और रोजगार के मौके मिलेंगे।

ई-रिक्शा चालकों की समस्याओं के साथ खड़ी हुई शिवसेना

दिवाली तक ई-रिक्शा चालकों को राहत

नागपुर। नागपुर शहर में ई-रिक्शा चालकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चिंटू महाराज, नितिन तिवारी एवं कमलेश ठाकुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक शिवसेना के साथ नागपुर शहर यातायात पुलिस उपायुक्त आदित्य मिर्खेलकर से मिले और अपनी समस्याओं का निवेदन प्रस्तुत किया।

शिवसेना की ओर से उपायुक्त मिर्खेलकर को बताया गया कि हाल ही में शहर यातायात पुलिस द्वारा नागपुर के प्रमुख मार्गों पर ई-रिक्शा की आवाजाही को प्रतिबंधित किया गया है। इसके चलते कई ई-रिक्शा चालकों को भारी जुर्माने एवं लगभग रु.१०,००० तक के चालान का सामना करना पड़ रहा है। इससे ई-रिक्शा चालकों के सामने अपने परिवार का रोजगार एवं जीविका चलाने का गंभीर प्रश्न निर्माण हो गया है। शिवसेना ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी द्वारा नागपुर शहर को प्रदूषणमुक्त बनाने तथा बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-रिक्शा को प्रोत्साहन दिया गया। आज बड़ी संख्या में लोग ई-रिक्शा के माध्यम से अपना रोजगार चला रहे हैं। ई-रिक्शा के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के साथ-साथ शहर में स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिला है। शिवसेना ने यातायात उपायुक्त से मांग की कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ-साथ ई-रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी भी प्रभावित न हो, इसके लिए व्यावहारिक एवं स्थायी समाधान निकाला जाए। अनेक ई-रिक्शा चालक बैंक की ईएमआई/किस्तों पर वाहन लेकर अपना व्यवसाय चला रहे हैं, ऐसे में अचानक लगाए गए प्रतिबंध और भारी चालान उनके लिए आर्थिक संकट पैदा कर रहे हैं। आगामी दिवाली त्योहार को देखते हुए ई-रिक्शा चालकों को राहत देने की मांग भी शिवसेना ने रखी। मिर्खेलकर ने कहा कि ई-रिक्शा चालक वर्तमान में संगठित रूप से एक प्लेटफॉर्म पर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ई-रिक्शा चालकों का एक संगठन/प्लेटफॉर्म होना आवश्यक है, ताकि उनकी समस्याओं और यातायात संबंधी विषयों पर विभाग के साथ व्यवस्थित रूप से चर्चा की जा सके। इस अवसर पर बंडू तलवेकर, राजाराम द्वार, अजय दलाल, मुन्ना तिवारी, किशन प्रजापति, मनोज साहू, ललित बावनकर, महेंद्र साहू, गौरव गुप्ता, शहजाद शेख सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक एवं ई-रिक्शा चालक उपस्थित थे।



बोरवेल के रखरखाव फ्लशिंग की अनुमति दें



संवाददाता

नागपुर। हाल ही में भूजल स्तर की निम्नता को देखते हुये प्रशासन द्वारा नागपुर जिले को सुखाग्रस्त घोषित करते हुये बोरवेल खोदकाम के पूर्ण बंदी के निर्देश जारी किए थे। तद्हुत विदर्भ के व्यापारियों की अग्रणी व शीर्ष संस्था नाग विदर्भ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष स्वप्निल अहिरकर के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से उनके निवास स्थान पर मुलाकात बोरवेल के रखरखाव व फ्लशिंग कार्य की अनुमति देने हेतु प्रतिवेदन दिया। इस अवसर पर चेंबर के पूर्व अध्यक्ष अश्विन प्रकाश मेहाड़िया, कार्यकारिणी सदस्य व विदर्भ रिग ओनर्स वेलफेअर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्षी अभय अग्रवाल व सदस्य गुलाब टिचकुले भी उपस्थित थे।

पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने दिए निर्देश

स्वप्निल अहिरकर ने बावनकुले से कहा कि चेंबर का सभी से निवेदन है कि पानी का दुरपयोग नहीं किया जाना चाहिए, किंतु साथ ही चेंबर यह भी निवेदन करता है कि नागपुर प्रशासन द्वारा बोरवेल खोदकाम पर पूर्ण बंदी के निर्देश के कारण निवासी बिल्डिंग, शैक्षणिक संस्थानों, बड़े-बड़े व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं जो व्यवसाय नया प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे व्यापारियों को बोरवेल के कार्यों हेतु बहुत परेशानी होने वाली है तथा पुराने बोरवेल मैनटेनेस व फ्लशिंग के कार्यों में भी रूकावट आएगी तथा बोरवेल खोदकाम से जुड़ व्यवसायियों पर भी भारी आर्थिक संकट निर्माण हो गया है क्योंकि बोरवेल खोदकाम की मशीनें लाखों की कीमतों में आती हैं। यदि यह काम पूर्ण तरह बंद रहेगा तो, इन मशीनों के लिए जाने वाले लोन की भरपाई का प्रश्न बोरवेल व्यापारियों के सामने खड़ा है, साथ ही इस व्यवसाए से जुड़े कर्मचारियों एवं उनके परिवारों पर भूखे मरने की नौबत आ जाएगी।

अश्विन मेहाड़िया ने कहा कि भूजल स्तर कम होने का एकमात्र कारण बोरवेल खोदकाम नहीं है। प्रशासन द्वारा भूजल स्तर बढ़ाने के अन्य पयार्यों पर विचार किया जाना चाहिए। अतः चेंबर नागपुर प्रशासन से मांग करता है कि बोरवेल मैनटेंस व फ्लशिंग के कार्यो की अनुमति दी जानी चाहिए। बावनेकुल ने चेंबर के निवेदन को ध्यान से सुना और बोरवेल खोदकाम के पूर्ण बंदी से होने वाली आगामी होने वाली परेशानियों को समझते हुये तुरंत नागपुर जिल्हाधिकारी को पुराने बोरवेल के मैनटेनेस व फ्लशिंग के कार्यो की अनुमति देने के निर्देश जारी किए।

सिंहस्थ कुंभ मेला से अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति मिलेगी : बी.सी. भरतिया

नागपुर। नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला केवल आस्था पर्व नहीं बल्कि महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था के लिए गति प्रदान करने के लिए महा अवसर है। ऐसा कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष और स्वदेशी व्यापारी मंच के राष्ट्रीय संयोजक बालकृष्ण भरतीया ने कहा। वे टीम कैट नागपुर द्वार आयोजित धर्म आधारित अर्थव्यवस्था पर आयोजित बैठक में बोल रहे थे।



भरतिया ने आगे कहा चंद्रगुप्त मौर्य काल में मेले और तीर्थ ही भारत के व्यापार के केंद्र होते थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कहा गया है की तीर्थ, मेले और उत्सव ही योगक्षेम (व्यापार और रोजगार) का आधार है.। इसी प्राचीन आर्थिक मॉडल पर आज के कुंभ के आर्थिक पक्ष को समझाने के लिए कैट और स्वदेशी व्यापारी मंच प्रयास कर रहा है। वे नासिक और उसके आजु बाजू के क्षेत्रों में प्रवास कर कर के वहाँ के व्यापारियों को आने वाले व्यापार के महोत्सव का महापर्व के बारे में समझाने की प्रया कर रहे हैं। भरतिया ने बताया कि गोदावरी पट्टे के किसानों के लिए फूल, फल, सब्जी, सलाद संबंधित सब्जिया, भुट्टे, मूंगफली आदि का सीधे बाज़ार मिलेगा। इसके किसान और कृषि को लाभ मिलेगा। देश-विदेश से श्रद्धालुओं के आने से बहुत बड़ी संख्या में पैठनी, त्र्यंबक की रुद्राक्ष, तांबे पीतल के बर्तन, पूजा सामग्री वालों का व्यापार अच्छा होगा. एमएसएमई, होटल परिवहन सभी को इसका लाभ मिलेगा। दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने से होटल, ऑटो रिक्शा, तंबू , स्टॉल वालों के लिए बड़े प्रमाण पर रोजगार निर्मित होगा। स्थानीय युवाओं को भी सुरक्षा स्वच्छता डिजिटल सेवा में स्थायी रोजगार के एक लाख से अधिक अवसर उत्पन्न होंगे। बालकृष्ण भरतिया की शासन से माँग है की कुंभ और उसके आस पास के क्षेत्र में स्थानीय उत्पादक के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वोकल फॉर लोकल के विशेष स्टाल आरक्षित किए जाए ताकि इस कुंभ मेले का लाभ बड़े कॉर्पोरेट को नहीं बल्कि स्थानीय लोगों को मिले। इस मौके पर उपस्थित व्यापारियों में अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, महिला संयोजिका पूजा झाम, संरक्षक किशोर धाराशिवकर, राष्ट्रीय महिला सचिव आरती बादल, अश्विन गुप्ता, जया नगरारे, सचिव विरोध गुप्ता आदि बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

ओल्ड हाईकोर्ट बिल्डिंग के पीछे का हिस्सा ढहा

नागपुर। सिटी के प्रमुख ऐतिहासिक धरोहर स्थलों में शामिल ओल्ड हाईकोर्ट बिल्डिंग परिसर में इमारत के पिछले हिस्से का एक भाग सोमवार को गिर गया। निर्माण कार्य के दौरान बल्लियों का सहारा हटाते ही यह हादसा हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में वहां काम कर रहे मजदूरों में से किसी को चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित बच गए। इमारत के नक्शे के अनुसार ढहने वाला भाग मुख्य ऐतिहासिक इमारत का न होकर उसके पीछे किया गया अतिक्रमित निर्माण था। हालांकि इस हिस्से के गिरने से मुख्य इमारत के पिछले हिस्से को भी झटका पहुंचने की बात कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि ओल्ड हाईकोर्ट इमारत की जर्जर स्थिति को देखते हुए हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दर्ज की थी। अदालत की सुनवाई के बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को इसके संरक्षण कार्य के लिए सक्रिय किया गया था। संरक्षण कार्य में तेजी लाने के लिए -एएसआई ने पूरे परिसर को पीडब्ल्यूडी को सौंप दिया था। परिसर में काम जारी रहने के दौरान जब मजदूरों ने पिछले निर्माण को दी गई बल्लियों का सहारा हटाया तब यह अतिक्रमित हिस्सा नीचे गिर गया।



बीजेपी के 'राष्ट्र चिंतन संवाद' का आयोजन

नागपुर। भाजपा की ओर से देशभर में ५ नवंबर तक 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव आयोग और देश की विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जनता के बीच भ्रम और गलतफहमियां पैदा कर रही है। इस दुष्प्रचार का तथ्यों के आधार पर जवाब देने और जनजागृति के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत ३ नवंबर को शाम ६ बजे वसंतराव देशपांडे सभागृह सिविल लाइंस में 'राष्ट्र चिंतन संवाद' का आयोजन किया गया है। इसमें देश के प्रख्यात विचारक एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी नागपुर के बुद्धिजीवियों, व्यवसायियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों से संवाद करेंगे। नागपुर के चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील, डॉक्टर, आईटी क्षेत्र के पेशेवर, कॉर्पोरेट क्षेत्र के अधिकारी, प्राध्यापक, सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तियों के साथ ही अपने-अपने कार्यक्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त कर चुके प्रतिष्ठित लोगों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में उद्योगपति आशीष काले, नितिन खारा, श्यामसुंदर सोनी, सीए स्वरूपा वजलवार और एड. नितिन तेलगोटे उपस्थित रहेंगे। वहीं वक्ता के रूप में पूर्व महापौर दयाशंकर तिवारी और विधायक परिणय फुके शामिल होंगे। कार्यक्रम के संयोजक विधायक संजय भेंडे ने नागपुर के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

आज बुद्धिजीवियों से संवाद साधेंगे सुधांशु

कोजागिरी उत्सव हर्षोल्लास से मनाया



नागपुर। माहेश्वरी मंडल वाड़ी-हिंगणा, नागपुर द्वारा कोजागिरी पूर्णिमा का उत्सव बड़े ही उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मनोरंजक खेल, मधुर संगीत एवं आकर्षक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हंसी-मजाक, मस्ती और सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच सभी ने एक-दूसरे के साथ खूब आनंद लिया। आपसी प्रेम, स्नेह और भाईचारे के इस सुंदर माहौल में कार्यक्रम का समापन कोजागिरी के विशेष भोजन एवं प्रसादी के साथ हुआ।

माहेश्वरी मंडल वाड़ी-हिंगणा का आयोजन

इस अवसर पर माहेश्वरी मंडल वाड़ी-हिंगणा के अध्यक्ष दीपक चांडक, उपाध्यक्ष विक्रम कोठारी एवं बृजगोपालजी मंत्री, सचिव अमित राठी, कोषाध्यक्ष सी.ए. राजेश राठी, सांस्कृतिक मंत्री रवि मंत्री, सहसचिव गौरव जाजू, बधाई संयोजक राजेश मोहता, सह-कोषाध्यक्ष श्रीकांत काबरा, प्रचार मंत्री रविंद्र चांडक तथा कार्यकारिणी सदस्य अंकित राठी, हर्ष मंत्री, हेमंत चांडक, अखिल राठी एवं पवन भट्टड़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल वाड़ी-हिंगणा, नागपुर की अध्यक्ष चंचल सोनी, उपाध्यक्ष यशोधा माहेश्वरी, सचिव प्रवीणा मोहोता कोषाध्यक्ष सोनल राठी, सांस्कृतिक प्रमुख राधिका राठी तथा सलाहकार किरण राठी, पल्लवी सोमानी एवं संतोष मंत्री की भी सहभागिता रही। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के आपसी सहयोग, स्नेह और उत्साहपूर्ण सहभागिता से यह आयोजन यादगार बन गया।